जय गुरु नाना। जय महावीर। जय गुरु राम।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

हु शि उ चौ श्री ज ग ना ना ©

राम चमक रहे भानु समाना

53वाँ वार्षिक अधिवेशन

अनन्य चातुर्मास–मेरा चातुर्मास–जोधपुर (राजस्थान)
चातुर्मासिक सान्निध्य
युग प्रधान आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा.
दिनांक: 18 अक्टूबर, 2020

वार्षिक प्रतिवेदन– 2019–20

श्रीमती नंदा कर्नावट
राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्रीमती गीता दक
राष्ट्रीय महामंत्री

श्रीमती सुमन सुराना
राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा

अन्तर्गत साधुमार्गी जैन संघ

केन्द्रीय कार्यालय : 'समता भवन' आचार्य श्री नानेश मार्ग,
नोखा रोड जैन पी.जी. कॉलेज के सामने, गंगाशहर, बीकानेर–334401(राज.)
फोन: 0151–2270261–62, 2270359
वेबसाइट :www.sabsjms.org.b|&e|y | ms@sadhumargi.com

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

आचार्य श्री रामलाल जी म.सा परिचय

प्रत्येक युग में किसी न किसी महापुरुष का अवतरण होता है और वे विरल आत्माएँ संसार की असारता कोजानकर निरंजन–निराकार स्वरूप बनने के लिए प्रभु महावीर के शासन में प्रव्रजित होकर आत्मा से महात्मा, महात्मा से परमात्मा बनने के लिए प्रयत्नशील रहती हैं। ऐसी ही दिव्य आभा समेटे हुए शास्त्रज्ञ, तरुण तपस्वी, प्रशांतमना, व्यसन मुक्ति के प्रणेता आचार्य–प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. वर्तमान में संघ नायक के रूप में इस विशाल संघ को निरन्तर अभिवृद्धि की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

गुरुदेव का अवतरण देशनोक के यशस्वी भूरा कुल में विक्रम सम्वत् 2009 चैत्र शुक्ल चतुर्दशी को रत्नधारिणी माता गवरा की कुक्षी से हुआ। आपके पिता का नाम श्री नेमीचंद जी है। आपने वि.सं. 2031 माघ शुक्ल 12 को देशनोक में समता विभूति आचार्य श्री नानेश के मुखारविंद से भागवती दीक्षा अंगीकार की। आपश्री में विनय, अनुशासन एवं संयम की सजगता को ध्यान में रखते हुए आचार्य श्री नानेश ने वि.सं. 2047 आसोज सुदी दूज को चित्तौड़गढ़ में मुनि प्रवर उपाधि से अंलकृत किया।

आचार्य प्रवर अप्रतिम प्रतिभा सम्पन्न, शास्त्रज्ञ, परमागम रहस्यज्ञाता एवं आगमों के गूढ़ ज्ञाता है। आपकी सारणा, वारणा व धारणा के गुणों से प्रभावित होकर वि.सं. 2048 फाल्गुन शुक्ल तृतीया को बीकानेर जूनागढ़ के विशाल प्रागण में आपको युवाचार्य पद से अभिषिक्त किया गया। आप व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक हैं, आपकी सद्प्रेरणा से लाखों लोग कुव्यसनों का त्याग कर सद्मार्ग की ओर अग्रसर हुए हैं।

वि.सं. 2056 कार्तिक कृष्णा तृतीया को उदयपुर में आप हुक्म संघ के नवम् पाट पर आचार्य के रूप में आरूढ़ हुए। आपश्री ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उड़ीसा, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक आदि प्रांतों में विचरण कर जिनशासन की भव्य प्रभावना की अभी तक आप 328 दीक्षा प्रदान कर तिन्नाणं और तारियाणं के पद को सार्थक करते हुए दीक्षा दानेश्वरी के रूप में ख्यातिलब्ध हुए। आप श्री हिन्दी, संस्कृत, प्राकृत–अपभ्रंश आदि भाषाओं के साथ जैन एवं जैनेतर दर्शनों के भी विशेष ज्ञाता हैं। संयम के प्रति हर पल सजगता व जागरूकता आपके जीवन के रोम–रोम में समाहित है। कथनी एवं करनी में एकरूपता और आडम्बर रहित जीवन आपकी विशिष्ट पहचान है। आपके चिन्तन में सदैव यही मनोभाव रहता है कि संघ का प्रत्येक श्रावक–श्राविका ज्ञानवान एवं चारित्रवान बने। चतुर्विध संघ की बागडोर संभालने के पश्चात् व्यसन मुक्ति, संस्कार निर्माण वर्ष, समता स्वाध्याय वर्ष, संस्कार समीक्षा सुधार वर्ष, संघ समर्पणा वर्ष, उपासना विशुद्धि वर्ष, श्रमणोपासक वर्ष, ज्ञान–चेतना वर्ष, आत्मनिर्भर वर्ष, ज्ञानाराधना वर्ष, साधुमार्गी संकल्प शाखा संयोजन वर्ष, गुणोत्कीर्तन वर्ष, उत्क्रांति वर्ष एवं वर्तमान में पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि वर्ष, अनुपम वर्ष, जीवन परिवर्तन वर्ष, संयम साधना वर्ष, ज्ञान–आराधना वर्ष और वर्तमान में अनन्य चातुर्मास मेरा चातुर्मास के रूप में आह्वान प्रदान कर आपने संघ को नये–नये आयाम प्रदान किये। ऐसे युगपुरुष को शत्–शत् वंदन अभिवंदन। हमसब वीर प्रभु से आपश्री के दीर्घायु होने की मंगल कामना करते हैं।

साधुमार्गी परम्परा अनादिकाल से भारत भूमि पर धर्म एवं संस्कृति की मानव कल्याणकारी धाराओं में समाहित एवं प्रवाहित है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव साधुमार्गी परम्परा के आदि गुरु माने जाते हैं उसी परम्परा को श्रमण भगवान महावीर ने समुन्नत किया। मानव उत्थान व कल्याण के नये–नये आयाम सृजित होते रहे और साधुमार्गी परम्परा का विकास होता रहा।

इस परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने हेतु श्री हुक्मीचंदजी म.सा. प्रथम आचार्य के रूप में विराजमान हुए, विद्वत् शिरोमणि द्वितीय आचार्य श्री शिवलालजी म.सा., तृतीय आचार्य श्री उदयसागरजी म.सा. ने भोग से योग की ओर प्रस्थान किया और बारह व्रत अंगीकार कर संयम धारण किया। चतुर्थ आचार्य श्री चौथमल जी म.सा. कठोर क्रियाधारी के रूप में ख्यातिलब्ध थे। पंचमाचार्य श्री श्रीलालजी म.सा. अत्यंत ही प्रबुद्ध एवं ओजस्वी प्रखर वक्ता थे। आपके व्याख्यान सुनकर अनेक राजा महाराजा प्रभावित होकर आपके अनुयायी बन गये थे जिनका जीवन धर्म संघ के प्रति समर्पित हो गया। षष्ट्म आचार्य श्री जवाहरलालजी म.सा. ने अजमेर में साधु सम्मेलन में समस्त साधु समाज का एकीकरण किया। श्री जवाहरलाल नेहरू, श्री लोकमान्य तिलक, श्री विनोबा भावे, सरदारवल्लभ भाई पटेल आदि राष्ट्रीय नेताओं ने आपके प्रवचन श्रवण का लाभ लिया। आपने अनेक साहित्यों का सृजन किया। भीनासर, बीकानेर में जवाहर विद्यापीठ आपके नाम से संचालित है। सप्तम आचार्य श्री गणेशलालजी म.सा. ने नवीन युग का सूत्रपात करते हुए आसोज सुदी दूज विक्रम संवत् 2019 दिनांक 30.9.1962 को मुनि नानालालजी म.सा. को विधिवत् रूप से उदयपुर भव्य प्रांगण में हजारों की जनमेदिनी के साक्ष्य में युवाचार्य की चादर प्रदान की और इसी दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ की स्थापना हुई जिसका आज हम सभी 58वां वार्षिक अधिवेशन मना रहे हैं। यह किसी भी संस्था के लिए गौरव की बात है।

अष्ट्म आचार्य श्री नानालालजी म.सा. विश्व की विरल विभूतियों में से एक थे। आचार्य श्री नानेश जैन ही नहीं अजैन समाज में भी ख्यातिलब्ध थे। मालवा प्रांत में पिछड़ी बलाई जाति के लोगों के जीवन उत्थान हेतु उन्हें सद्मार्ग पर लाकर धर्मपाल नाम से संबोधित किया। रतलाम में दिनांक 4.3.1984 को 25 दीक्षाएँ एक साथ सम्पन्न कर समग्र जैन समाज में त्याग–तप का कीर्तिमान स्थापित किया। अशांत विश्व को समीक्षण ध्यान व समता का सूत्र प्रदान कर मानव जाति पर उपकार किया। समाज मे फैली कुरीतियों के प्रति जन चेतना जागृत की। साहित्य सृजन की श्रृंखला में जिणधम्मो जैसे विराट साहित्य की रचना कर इसे कालजयी बनाया। अपने आचार्यकाल में 350 दीक्षाएँ प्रदान कर साधुमार्गी शासन की महती प्रभावना की। अपनी दिव्य दृष्टि से आपने उत्तराधिकारी के रूप में श्री रामलाल जी म.सा. को युवाचार्य की चादर प्रदान की जो आज जिन शासन की प्रभावना कर रहे हैं।

नवम् एवं वर्तमान आचार्य श्री रामलालजी म.सा. का व्यक्तित्व जैन समाज ही नहीं अपितु जैनेतर समाज में भी अपनी संयमी साधना व ओजस्वी प्रवचन के लिए महत्त्वपूर्ण पहचान रखता है। बीकानेर की पुण्यधरा पर युवाचार्य की चादर ग्रहण कर निरंतर आगमों, प्राकृत एवं संस्कृत साहित्यों का पान कर आगमज्ञाता के रूप में ख्यातिलब्ध हुए। आचार्य पद का दायित्व निर्वहन करते हुए धर्मोपदेश का अमृतपान कराते हुए 17 राज्यों में हजारों किलोमीटर पद विहार कर चुके हैं। आपके नेश्राय में 438 चारित्रात्माएँ सम्पूर्ण भारतवर्ष में धर्म की सुरभि फैला रहे हैं। आपके मुखारविंद से 328 मुमुक्षुओं को जैन भागवती दीक्षा ग्रहण करना एक कीर्तिमान है जो आपको दीक्षा दानेश्वरी के रूप में आलोकित करता है। सिरीवाल समाज को हिंसा के त्याग का संकल्प करवाकर उनके जीवन का उत्थान किया। युवाओं और विद्यार्थियों को व्यसनमुक्ति का संकल्प दिलवाकर स्वस्थ एवं निरोगी समाज की परिकल्पना को चरितार्थ किया। समाज में फैली कुरीतियों, आडम्बर के उन्मूलन हेतु उत्क्रांति के रूप में एक प्रकल्प देकर आप उत्क्रांति प्रणेता बने, जिसका अनुसरण निरंतर अन्य समाज में भी होने लगा है।

आपकी उपादेय का प्राणी मात्र ऋणी रहेगा। आपके अनुयायी भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी धर्म प्रभावना कर रहे हैं। आपके चातुर्मास में अद्भुत, अद्वितीय, तप आराधना का वातावरण देखने को मिलता है। आपश्री के मार्गदर्शन में साधुमार्गी सम्प्रदाय निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। उसी प्रकार संघ में ज्ञान दर्शन चारित्र की अभिवृद्धि हो रही है।

महिला समिति– उद्भव एवं परिचय

नारी वर्ग ममता, करुणा, वात्सल्य का प्रतिबिम्ब है। अगर किसी भी समाज की नारी सुसंस्कारित, शिक्षित एवं सभ्य होगी तो वह समाज किसी भी दृष्टि से पीछे नहीं रहेगा। उसी उद्देश्य को लेकर महिलाओं के संगठन की स्थापना श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के रूप में की गई। महिला समिति की स्थापना जैन पंचांग आसोज सुदी 3 अर्थात् 8 अक्टूबर 1967 को दुर्ग, छतीसगढ़ में श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ की अंतर्गत संस्था के स्वरूप में हुई। अपने स्थापना से लेकर अब तक महिला समिति की देशभर में फैली सैकड़ों शाखाओं ने सर्वधर्मी सहयोग, छात्रवृत्ति, जीवदया, धार्मिक क्रियाकलाप, संगठन, युवती शक्ति, प्रोफेशनल फोरम आदि में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। महिला समिति का केन्द्रीय कार्यालय समता भवन बीकानेर में स्थित है तथा वर्तमान में महिला समिति सर्वधर्मी सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति नारी विकास, उत्थान हेतु पिछले कई वर्षों से महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारतवर्ष के सैकड़ों स्थानों पर महिला समिति की शाखाओं द्वारा धार्मिक एवं सामाजिक अनेक प्रकल्पों का संचालन किया जा रहा है। निश्चित रूप से महिला समिति द्वारा किये जा रहे कार्य नारी विकास का एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र हैं। समिति का प्रमुख उद्देश्य चतुर्विध संघ में सम्यग्ज्ञान–दर्शन–चारित्र की अभिवृद्धि करना है।

महिला समिति के द्वारा 2017 में स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया गया जो बहुत ही गौरवशाली रहा। जब महिला समिति का गठन हुआ तो प्रथम अध्यक्षा के रूप में आनंदकंवर जी पितलिया को मनोनीत किया गया और अब तक इन 53 सालों में 20 अध्यक्षाओं को संघ सेवा का गुरुत्तर दायित्व प्रदान किया जा चुका है, जिनके अनुकरणीय सहयोग एवं पुरुषार्थ को कभी विस्मृत नही किया जा सकता है। श्रीमती आनंदकंवर बाई पितलिया, श्रीमती यशोदा देवी बोहरा, श्रीमती फूलकंवर बाई कांकरिया, श्रीमती विजिया देवी सुराना, श्रीमती सूरत देवी चौरडिया, श्रीमती अचला देवी तालेरा, श्रीमती प्रेमलता जी जैन, श्रीमती रसकुंवर बाई सूर्या, श्रीमती शांता देवी मेहता, श्रीमती निर्मला देवी चौरडिया, श्रीमती कांताबेन बोहरा, श्रीमती नीला देवी बोहरा, श्रीमती मीना जी रांका, श्रीमती रतना जी ओस्तवाल, श्रीमती शोभा देवी बैद, श्रीमती चंद्रकांता जी बोथरा, श्रीमती सुशीला जी सांखला, श्रीमती कुमुद जी सिपानी, श्रीमती प्रभा जी देशलहरा और श्रीमती नंदा जी कर्नावटने अपना बहुमूल्य समय देकर विशालकाय एवं समृद्धिशाली स्वरूप का परिचय दिया। आपकी निःस्वार्थ सेवा अमूल्य योग्दान ने महिला समिति को सशक्त और सुदृढ़ बनाया है भविष्य को और अधिक सुनहरा और गौरवमयी बनाने के लिए आपके सहयोग व मार्गदर्शन की महिला समिति सदैव प्रार्थिनी रहेगी। आपके निश्छल स्नेह और सहयोग के लिए महिला समिति सदैव आपकी आभारी रहेगी।

अध्यक्ष की कलम से
श्रीमती नंदाकर्नावट, राष्ट्रीय अध्यक्षा

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी महिला समिति
वार्षिक अधिवेशन 2020 राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्‌बोधन

सर्वप्रथम अष्ट कर्मों का क्षय कर, अष्ट गुणों को प्राप्त करने वाले, केवलज्ञान प्रकट कर, सिद्धत्व अवस्था को पाने वाले, **अहिंसा के अवतार तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी** को कोटिशः वंदन।

प्रातः वंदनीय, समीक्षण ध्यान योगी, धर्मपाल निर्माता, परम श्रद्धेय **1008, आचार्य श्री नानेश** के गुणों का स्मरण करते हुए।

आगम गूढ़ रहस्य ज्ञाता, प्रशांतमना, युवा प्रेरणास्रोत, परीषहों को सहन कर, संयम के कठोर पालनकर्त्ता, हुक्म–गच्छ के नवम् नक्षत्र, नानेश पट्टधर, परम श्रद्धेय **आचार्य प्रवर 1008, श्री रामलाल जी म.सा.** के पावन चरणों में कोटिशः वंदन।

ज्ञान रूपी प्रकाश देने वाले, तत्त्व एवं तथ्य के सूक्ष्म निरीक्षण कर्ता, स्वयं आगम ज्ञान प्राप्त कर, भवी जीवों कोवाचनी देने वाले, ज्ञान के भंडार, जिनके व्यवहार में गंभीरता, मधुरता झलकती हो, ऐसे **बहुश्रुत वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा.**के पावन चरणों में कोटिशः वंदन।

जिनशासन को दीपाने वाले, गुरु आज्ञा शिरोधार्य करने वाले, समस्त चरित्रात्माओं के पावन चरणों में कोटिशः वंदन।

गौरवशाली श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के वर्तमान **राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं संघ के समस्त पूर्व अध्यक्ष, महामंत्री एवं पदाधिकारीगण, समता युवा संघ के अध्यक्ष, महामंत्री तथा पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी सदस्य** एवं पधारे हुए समस्त गुरु भक्त और समस्त श्रावक–श्राविकाओं का अ. भा.साधुमार्गी समता महिला समिति के **53वें अधिवेशन** में हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।
सभी को सादर जय जिनेन्द्र, जय गुरु राम।

बड़े ही गौरव का विषय है कि महिला समिति आज अपना **53 वां वार्षिक अधिवेशन** मना रही है, साधुमार्गी जैन संघ जिसे हुक्म गच्छ के नौ आचार्यों ने अनंत परीषह सहन कर, ज्ञान–ध्यान की मजबूत नींव पर खड़ा किया है, उसी नींव पर आगे से आगे समय–समय पर ईंट से ईंट जोड़ते हुए, संघ के सिद्धांतों को कायम रखते हुए, संघ के गौरवशाली पदाधिकारियों ने, इसे सहनशीलता से संपूर्ण विश्व में प्रबल एवं आध्यात्मिक पहचान के साथ आगे बढ़ाया है।

मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानती हूँ कि महिला समिति ने मुझे यह सेवा करने का मौका दिया है एवं पुण्यवानी है मेरी, जिसे परिवार जैसी एक टीम कार्यकारिणी के रूप में मिली और पिछले एक साल के कार्यकाल में इस **अनन्य महोत्सव** पर कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

कार्यकाल के प्रारम्भ से ही हमारी टीम ऐसी सोच के साथ आगे बढ़ रही है, कि महिला समिति का प्रत्येक कार्य एकरूपता से, एक केंद्रित निर्णय के माध्यम से आगे बढ़े। **साधुमार्गी संघ, समता युवा संघ और जैन महिला समिति** एकजुट होकर, संघ के प्रत्येक कार्य को अंजाम देने में एक साथ एवं एक सोच के साथ आगे बढ़ रहे है, तो उसका फल सकारात्मक रूप से चारों ओर फैल रहा है।

आचार्य भगवन् एवं उपाध्याय प्रवर की असीम कृपा से, समस्त पूर्व अध्यक्षाओं एवं पदाधिकारीगण के मार्गदर्शन, वर्तमान टीम के सभी पदाधिकारीगण की सूझ–बूझ, समस्त कार्यकारिणी के अद्भुत प्रयास एवं संघ के प्रत्येक सदस्य के जुड़ाव से, समता महिला समिति अपने प्रवृतियों के माध्यम से अनेक गतिविधियों द्वारा संघ के प्रत्येक सदस्य तक पहुंचाने में काफी हद तक सक्रिय बनी है।

कार्यकाल के प्रारम्भ से ही हर कार्य को हर प्रवृत्ति को अंजाम देने हेतु, ब्लू प्रिंट के माध्यम से संघ के प्रथम महिला से अंतिम महिला तक को जोड़ने का अथक प्रयास किया, जिससे पदाधिकारियों को एक लिंक से जोड़ते हुए, राष्ट्रीय प्रवृत्ति संयोजिका से लेकर आंचलिक संयोजिका एवं उनके माध्यम से क्षेत्रीय संयोजिका तक को कार्य पहुंचाने का मार्ग प्रेषित किया है, जिससे हर कार्य आसानी से संघ के हर सदस्य तक पहुँचाया जा सके।

एक वर्ष में महिला समिति ने **तीन नयी प्रवृत्तियों को प्रारंभ किया है**, यही सोच के साथ कि महिला समिति जैसे–जैसे विकास कर रही है, तो अपना एक दायित्व बन जाता है कि संघ के प्रत्येक वर्ग के सदस्य को उनकी शैली एवं योग्यता अनुसार एक प्लेटफॉर्म दिया जाए, जिससे संघ में भी नयी प्रतिभाओ का आगमन हो।

इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए महिला समिति में इन तीन नई प्रवृत्तियों को प्रारंभ किया है।

1. महिला प्रोफेशनल फोरम 2. युवती शक्ति 3.संगठन

- **महिला प्रोफेशनल फोरम** में संघ की उन सभी महिलाओं को जोड़ने का प्रयास किया गया है जो पोस्ट ग्रेजुएट हैं, चाहे वह वर्किंग हों या नॉन वर्किंग।
- **युवती शक्ति** जो आज सही मायने में विश्व की सबसे ऊर्जात्मक एवं महत्वपूर्ण शक्ति है एवं हमारे संघ में एक बहुत बड़ी युवा सोच का निर्माण करने में फलित होगी और अनेक नई प्रतिभाओ का प्रवेश हमें आने वाले समय में दिखाई देगा।
- **महिला संगठन** संघ की मजबूती का एक अहम हिस्सा संगठन है, जिसके माध्यम से प्रत्येक महिला को संघ के साथ जोडने का अद्भुत प्रयास किया है।

पूर्व से आयोजित प्रवृत्तियाँ जिसमे परिवारांजलि, केसरिया कार्यशाला की प्रभावना एवं आयोजन सक्षम रूप से निरंतर बना हुआ है, सभी प्रवृत्तियों का विस्तार से विश्लेषण महामंत्रीजी के प्रतिवेदन में आपके समक्ष आएगा। **सर्वधर्मी योजना, समता छात्रवृति** योजना का उच्चत्तम प्रयोग सुचारु रूप से बना हुआ है।

अनन्य महोत्सव, समीक्षण ध्यान योगी, आचार्य श्री नानालालजी म. सा. की जन्मशताब्दी के पावन प्रसंग में आयोजित प्रवास फलस्वरूप समस्त 12 अंचल के छोटे से छोटे कस्बे, गांव, नगर में पहुंचने का सौभाग्य प्राप्त हुआ एवं सभी अंचल के उपाध्यक्ष–मंत्री के सहयोग से अंचल के ज्यादा से ज्यादा साधुमार्गी परिवारों से संपर्क हुआ एवं प्रेरणात्मक रूप से संघ की गतिविधियों को एवं आचार्य श्री नानेश के चिंतन को उन सभी के सामने रखने का तथा जन–जन तक पहुंचाने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

वर्तमान आचार्य भगवन् की हमेशा यही सोच एवं प्रेरणा रही है कि संघ का प्रत्येक सदस्य ज्ञानवान एवं क्रियावान बनें।

उसी सोच को आधार बनाते हुए, संघ के प्रत्येक सदस्य में ज्ञान को बढ़ाने के लिये, संघ की अनेक योजनाएँ जिसमें समता पाठशाला, जैन संस्कार पाठ्यक्रम आदि धार्मिक परीक्षाओं को लागू करने का एक प्रयास किया गया है, जिसकी प्रेरणा महिला समिति अलग–अलग माध्यम से कर रही हैं।
लगभग 5 माह में देशभर में सभी अंचलों का प्रवास करते हुए जो अनुभव पाया है, वह अपने स्वयं के जीवन को संघ कार्यो में दृढ़ बनाने में काफी प्रेरणात्मक रहा है।

कोरोना वैश्विक महामारी की इस विषम परिस्थिति मे महिला मंडल ने पिछले 7 माह में जो ऊर्जा दिखाई है, वह सराहनीय है, zoom के माध्यम से हर अंचल में हर प्रवृत्ति की मीटिंग रखी गयी, समस्त उपाध्यक्ष–मंत्री को जोड़ा गया, समस्त महिला मंडल के स्थानीय अध्यक्ष–मंत्री और उनकी working Team को जोड़ा गया और एक अलग स्फूर्ति से संघ विकास हेतु सम्पूर्ण टीम ने कार्य किया है।

आभार व्यक्त करती हूँ पूरी टीम का जिसने कंधे से कंधा मिलाकर हर कार्य को सफल बनाने में सहयोग दिया एवं संघ के विकास हेतु हम सब एक साथ मिलकर एकरूपता से आगे बढ़ते रहे।

जय गुरु नाना – जय गुरु राम

महामंत्री उदबोधन

श्रीमती गीता दक, राष्ट्रीय महामंत्री

अज्ञान तिमिर का हरण कर,
घट में ज्ञान के प्रकाश से,
कर्मो का– नाश कर,
मुक्ति में वास करने वाले।

श्रमण भगवान महावीर स्वामी को कोटि कोटि वंदन...

समता ही मुक्ति का द्वार है।
समता ही आगम का सार है।
समतामय जीवन जीने वाले समता विभूति
आचार्य श्री नानेश को वंदन बारंबार है।

जो हमेशा आत्म समाधि में लीन रहते हैं
जो निंदा प्रशंसा में समभाव रखने वाले हैं
जो अपनी हर एक प्रवृत्ति आगम के अनुरूप निष्पन्न करते हैं
जिनके कठोर संयम से प्रभावित होकर अनेक भव्य जीव संयम के रथ पर आरूढ़ हो रहे हैं
ऐसे हुक्म संघ की गरिमा को देदीप्यमान करने वाले ,आस्था के आयाम 1008 आचार्य भगवन श्री रामलाल जी म.सा. के चरणों में कोटि–कोटि वंदन।

जिनके वचनों में सागर सी गंभीरता है
जिनकी वाणी में मिश्री सी मधुरता है
जिनके संयम में पर्वत सी कठोरता है
जिनके आभामंडल में चंद्रमा सी शीतलता है
जिनके मुख मंडल मे सूर्य सी तेजस्विता है

ऐसे बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. के पावन चरणों में कोटि कोटि वंदन...
जिनकी हर प्रवृत्ति में आज्ञा पालन का भाव रहता हैं
जो प्रतिपल, सम्यक–ज्ञान–दर्शन–चरित्र की आराधना में लीन रहते हुए आचार्य भगवन् के इंगित इशारों का पालन करने के लिए तत्पर रहते हैं –
ऐसे मुक्ति पथ पर गतिशील रहने वाले समस्त चारित्र शील संत महापुरुषों और महासतियाँ जी म.सा. के चरणो में कोटि कोटि वंदन नमन...

सम्माननीय मंच, मुख्य अतिथि गण, संघ संरक्षिका महोदया जी, पूर्व अध्यक्ष महोदय जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जी, राष्ट्रीय मंत्री जी, राष्ट्रीय प्रवृत्ति संयोजिक जी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जी तथा जोधपुर महिला मंडल के पदाधिकारी एवं देश के कोने–कोने से पधारी हुई समस्त महिला सदस्यों –आप सभी का श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के **53 वें वार्षिक अधिवेशन** में

धर्म नगरी जोधपुर के प्रांगण में हार्दिक स्वागत करते हुए एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आपका अभिनंदन करती हूं।

आचार्य श्री की असीम कृपा से महिला समिति 53 वर्षों की इस दीर्घकालीन यात्रा को पूर्ण करते हुए आज विश्व पटल पर अनेकानेक शाखाओं के साथ मिलकर एक विशाल वटवृक्ष के रूप में हमारे समक्ष परिलक्षित है जिसकी शाखाएं संपूर्ण भारतवर्ष के साथ–साथ विश्व के कई देशों में भी संचालित है।

मानव जाति के चरण निरंतर प्रगति पथ पर गतिशील हैं। प्रगति और उन्नति मनुष्य की क्रियाशीलता के प्रतीक हैं। यह प्रगति भौतिक व आध्यात्मिक दोनों ही क्षेत्र में है। भौतिक प्रगति मनुष्य की जरूरत है तो अध्यात्मिक प्रगति मानव को जाग्रत व क्रियावान के साथ साथ विनयवान बनाती है।

तीर्थंकर भगवन्तो द्वारा स्थापित तीर्थ में श्री संघ युवा संघ एवं महिला समिति तीनों ही आवश्यक है और इन्हें निरंतर गतिशील करने के लिए वार्षिक अधिवेशन करना अनिवार्य है। इस प्रतिवेदन के माध्यम से हम सभी वर्ष भर में की गई गतिविधियो को जानने का प्रयास करेंगे।

महिला समिति की अलौकिक चमक में समस्त पूर्व पदाधिकारीगण व सभी सदस्यों का सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलता रहा।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति की मधुरभाषी, स्नेह मूर्ति, ऊर्जावान हंसमुख व्यक्तित्व के धनी राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती नंदा जी कर्णावट के कुशल नेतृत्व में संघ सेवा करने का सुअवसर मुझे प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती नंदाजी कर्णावट की अध्यक्षता में प्रथम कार्यकारिणी सभा में महिला समिति द्वारा स्थानीय पदाधिकारियों के साथ मिलकर उत्साह के साथ पुरुषार्थ करके जो कार्य करके दिखाया इस हेतु आप सभी का समिति की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं ।

आप सभी ने साथ मिलकर अपने कार्यों से सभी क्षेत्रों के महिला मंडलों को मजबूती प्रदान की इससे महिला समिति का गौरव बढ़ा है। अब मैं समिति द्वारा संचालित सभी मुख्य प्रवृत्तियों एवं उनकी उपलब्धियों पर आप सभी का ध्यान आकृष्ट करने का भाव रखती हूं।

इस वर्ष को हम सभी अनन्य महोत्सव के रूप में मना रहे हैं कोरोना वायरस के चलते हमने त्रैमासिक कार्यकारणी की दूसरी एवं तीसरी बैठक के साथ–साथ संपूर्ण भारतवर्ष के अंचलवार राष्ट्रीय मंत्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रवृत्ति संयोजिका एवं स्थानीय पदाधिकारियों के साथ भी जूम ऐप के माध्यम से मीटिंग संचालित की और घर पर रहते हुए संघ हेतु कार्य किया उसमें आप सभी का उत्साह देखते हुए मुझे अति प्रसन्नता एवं हर्ष का अनुभव हुआ।

आप सभी का साथ एवं आशीर्वाद हमेशा ऐसा ही बना रहे यही आप सभी से आशा रखती हूं।

नव निर्वाचित महिला समिति की प्रथम त्रैमासिक बैठक बीकानेर में हुई जिसमें सर्वसम्मति से तीन नई प्रवृत्तियों को जोड़ने की सहमति बनी–

1– संगठन
2–युवती शक्ति
3–प्रोफेशनल प्रवृत्ति

संगठन प्रवृत्ति को बीकानेर बैठक में ही पारित कर दिया था। अनन्य महोत्सव प्रवास यात्रा के दौरान युवती शक्ति एवं प्रोफेशनल फोरम प्रवृत्ति का गूगल फॉर्म बेंगलुरु में लांच किया गया।

अभी तक कुल रजिस्ट्रेशन –

- **युवती शक्ति : 2725 सदस्य**
- **प्रोफेशनल फोरम : 1390 सदस्य**

- **संगठन : 1875 सदस्य**
- **सर्वधर्मी सहयोग– 296 परिवार**
  लोकडाउन के दौरान सभी वीर परिवार को 10000 और
  साधुमार्गी परिवार को 1500 अतिरिक्त सहायता राशि प्रदान की गई।
- **परिवारांजलि – 3000 फॉर्म, कुल 13215 फॉर्म भरे जा चुके है।**
- **समता छात्रवृत्ति–37 विद्यार्थी**
- **केसरिया कार्यशाला गतिमान है।**

अनन्य महोत्सव प्रवास यात्रा :

नवनिर्वाचित महिला समिति पदाधिकारी व स्थानीय पदाधिकारीगण के साथ मिलकर हमने अनन्य महोत्सव प्रवास यात्रा की शुरुआत की।

दिनांक– 4.11.2019 से 7.11.2019 तक मेवाड़ अचंल – भाग 1
दिनांक– 9.11.2019 से 11.11.2019 तक महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल
दिनांक– 17.11.2019 से 21.11.2019 तक मालवा अंचल – भाग – 1
दिनांक– 30.11.2019 से 8.12.2019 तक मुम्बई–गुजरात–यूएई अंचल
दिनांक– 02.01.2020 से 05.01.2020 तक कर्नाटक–आंध्रप्रदेश अचंल
दिनांक– 14.01.2020 से 19.01.2020 तक पूर्वोत्तर अंचल
दिनांक– 15.02.2020 से 18.02.2020 तक दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश अंचल
दिनांक– 19.02.2020 से 25.02.2020 तक बीकानेर–मारवाड़ अंचल
दिनांक– 12.03.2020 से 16.03.2020 तक मेवाड़ अचंल – भाग – 2

इस प्रवास के दौरान हमने महिला संघ की मजबूती के साथ आपस में अपनत्व लाने का प्रयास किया।

30 सितम्बर 2019 तक कुल 219 महिला मंडल।
अब तक नये महिला मण्डल की संख्या 38 है।
सम्पूर्ण भारतवर्ष में **कुल 257 महिला मण्डल** है।

विगत चार माह में चारित्रात्माओं के देवलोक गमन पर 4 लोगस्स का ध्यान करें।

अपने विचार को विराम देते हुए समिति की अध्यक्षा श्रीमती नंदा जी कर्नावट का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ तथा उन्हें साधुवाद देना चाहूँगी कि आपने कुशल नेतृत्व देकर समिति की गतिविधियों को कुशलता से संचालित कर संघ की उत्कृष्ट सेवा की हैं आपकी आत्मीयता एवं प्रेरणा मुझे समय–समय पर संबल प्रदान करती रही। मैं सभी कर्मठ कार्यकत्ता बहनों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करना चाहूँगी। मुझे आशा ही नही वरन् पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के सहयोग से महिला समिति जिन उद्धेश्यों को लेकर कार्य कर रही है। वह एक दिन राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध होगी।

सभी के सहयोग से समिति प्रगतिशील है इसीलिए मैं हृदय से सभी का आभार ज्ञापित करती हूँ।

गुरु ने राह दिखाई, अभी चलना है बाकी...

राही तुम भूल न जाना, अभी मंजिल है बाकी...

जय नानेश। **जय रामेश।**

कोषाध्यक्ष की कलम से

श्रीमती सुमन जी सुराणा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा

तन से सेवा कीजिए, मन से भले विचार,
धन से इस संसार में, करिए पर उपकार।।

अत्र विराजित प्रतिपल वंदनीय आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. एवं बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा के पावन चरणों में वंदन।
मंच पर उपस्थित समारोह के मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती नंदा जी कर्नावट, रा. महामंत्री श्रीमती गीता जी दक, वरिष्ठ श्राविकाएँ, सम्मानीय मंच एवं देश के कोने–कोने से पधारी हुई संघ समर्पित बहनें सादर जय जिनेन्द्र।

यह अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन महिला समिति का **53वां अधिवशन** है। यह वर्ष सभी के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। वैश्विक महामारी से आज पूरा विश्व पीड़ित है। इस महामारी ने संपूर्ण विश्व को स्तंभित कर दिया है। समय का प्रवाह मानो रुक गया है चारों तरफ निराशा का माहौल हैं। ऐसे समय में आशा की किरण है जिन–धर्म, जिनवाणी। जिनवाणी से ऐसे कठिन समय में भी अनेक आत्माएं भावित हो रही हैं। श्रावक वर्ग में भी ज्ञान–ध्यान, तप के प्रति एक अनन्य उत्साह देखने को मिल रहा है। निरन्तर ज्ञान की धारा प्रवाहित हो रही है। ये सुफल है हमारे आचार्य भगवन, उपाध्याय प्रवर व समस्त चारित्र आत्माओं के समयक् पुरुषार्थ का, निर्मल चरित्र पालन का, सम्यक् आचरण का। आपश्री की संयम के प्रति सजगता, चरित्र की निर्मलता अनेक आत्माओं का पथ प्रशस्त कर रही है।

सम्पूर्ण भारतवर्ष में इस अनन्य महोत्सव चातुर्मास की छटा देख जनमानस हतप्रभ है। अचंभित मन कभी–कभी तो यह सोचने को लालायित हो जाता है कि कहीं हम दिव्य स्वप्न में चतुर्थ आरे की छटा तो नहीं निहार रहे हैं, पर वास्तव में यह सब पंचम् आरे में संभव कराने वाले हमारे आराध्य, श्रद्धा के केन्द्र, पूज्य गुरुदेव के आचरण की निर्मलता, संयम की दृढ़ता, चारित्र की उत्कृष्टता, सेवा भावना की महत्ता का ही सुफल हैं जो हम ऐसे भव्य नजारे देख रहें हैं। कहते हैं कि देव भी ऐसे भव्य नजारे देखने को तरसते हैं।

आपके ज्ञान, दर्शन चारित्र की उत्कृष्टता और निर्मलता देखकर अनेक भव्य आत्माएँ क्या आबाल, क्या वृद्ध, क्या नवयुवक, क्या प्रौढ़, उत्कृष्ट चारित्र पालन के भावों के साथ समस्त भौतिक सुख सुविधाओं और परिवार का मोह त्याग कर असि मार्ग पर चलने के समान दुरूह संयम मार्ग को सहर्ष स्वीकार कर रहे है।

श्रावक–श्राविकाएँ ज्ञानवान एवं क्रियावान बनें ये हमारे शासन नायक का ध्येय है। उसी ध्येय को सिद्ध किया है अनन्य चातुर्मास ने। वैश्विक महामारी और लॉकडाउन के बावजूद आचार्य श्री नानेश जन्मोत्सव ने अद्भुत छटा बिखेरी है। सभी क्षेत्र में ज्ञान–ध्यान, तप–त्याग का ठाठ लग गया। श्रावक–श्राविकाओं में एक नव जागरण का कार्य किया हैं।

महिला समिति अपने विकास यात्रा के 53 वर्ष पूर्ण करने जा रही है। यह किसी भी संस्था के लिए गौरव की बात है। 53 वर्षों के विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ उस संस्था के कार्यकर्त्ता के सुयश के

साथ–साथ अर्थ की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि किसी भी योजना के आधार का स्वरूप अर्थ से ही प्रारंभ होता है। महिला समिति के विकास की यात्रा में उन सभी दानदाताओं का सुयश अनुगुंजित हो गया है। जिनके अनुकरणीय व विशिष्ट सहयोग से महिला समिति द्वारा अनेक योजनाएँ फलीभूत होकर जन हितार्थ कार्य में प्रवाहमान हैं। इतिहास पर दृष्टिपात करें जिनके सहयोग ने इस यज्ञ में आहुति दी। महिला समिति की इन परियोजनाओं में दानदाताओं का हृदय से आभार ज्ञापित करती हूँ जिनके विशिष्ट व अनुकरणीय सहयोग से महिला समिति राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अन्तराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित कर रही है।

वर्तमान में महिला समिति द्वारा अनेक प्रवृत्तियाँ संचालित की जा रही हैं। संगठन, सर्वधर्मी सहायता, छात्रवृत्ति, साधुमार्गी वुमन प्रोफेशनल फोरम, युवती शक्ति, परिवारांजलि, केसरिया कार्यशाला इत्यादि।सभी प्रवृत्तियाँ बहुत ही व्यवस्थित तरीके से चल रही हैं।

जब मुझे महिला समिति के कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया तो मेरे हृदय में दृढ़ संकल्प था कि पूर्व वरिष्ठ श्राविकाओं, कोषाध्यक्षाओं, महामंत्री एवं कार्यकताओं के सुयश से महिला समिति का जो यह बीज वटवृक्ष बना है जिसकी शाखारूपी विभिन्न प्रवृत्तियों को और अधिक सघन एवं मजबूत बनाना है ताकि इसकी छाँव में जन–जन लाभान्वित हो सके। इन प्रयासों में मुझे आपका आशीर्वाद एवं सहयोग कदम–कदम पर प्राप्त हुआ है। आपके इस मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु आभार ज्ञापित करती हूँ तथा साथ ही साथ महिला समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय मंत्री, प्रवृत्ति संयोजिकाएँ, कार्यकारिणी सदस्याओं, शाखा संयोजिकाएँ बहनों का आभार ज्ञापित करती हूँ जिन्होंने अपने क्षेत्र में प्रेरणा द्वारा महिला समिति के कोष में अभिवृद्धि हेतु प्रयत्न किया। महिला समिति की सदैव यह भावना रही है कि समाज की कोई भी जरूरतमंद महिला जिसे आवश्यकता हो वह महिला समिति को अवश्य अवगत करवाये। हम सदैव उनके साथ तन–मन–धन से तत्पर रहेंगे। धन के आभाव में शिक्षा या चिकित्सा से वंचित नहीं रहना चाहिए, यही साधुमार्गी संघ का प्रथम संकल्प है।

''दान जगत का प्रकृत धर्म है, फिर क्यों मनुज व्यर्थ डरता है।
एक रोज तो हमें स्वयं ही, सब कुछ देना पड़ता है।।''

BALANCE SHEET

ABSJ Sangh - Mahila Samiti, Bikaner

(Under Shri ABS Jain Sangh, Bikaner)

Balance Sheet as at March 31, 2020

Liabilities	Amount		Assets	Amount	
Capital Fund		13881862.66	**ABSJS Bikaner (Fixed A/c)**		37539571.00
Opening Balance	11564665.16		Opening Balance: 37714226.00	38191320.50	
Add: Corpus Donation			**Fixed Assets**		
Life Membership Fee	239500.00		Furniture 393329.00		
Shubh Shri Vardhi Yojna	1100.00		Computer 54500.00		
Surplus/(Deficit) of the year	2076597.50		**Current assets**		
			Sundry Debtors 29265.50		
Other Funds		23657708.34			
Fixed Fund	8792.00		Add: Surplus During the year	2076597.5	
Guwahati Sarwadharmi Sthai Kosh	1797706.00		Add: Donation Sarwadharmi	1107102	
Idam N Man Fund	237600.00		Add: Donation papad	1291500	
Jeev Daya Fund	309791.50		Add: Life Membership Fees	239500	
Mahila Examination Fund	160701.00		Add: Shubh Shri Vridhi Yojna	1100	
Other Sahyog	122500.00		Less: Samajik Suraksha Given	-183500	
Samajik Suraksha Fund (572756.00 - 183500.00)	389256.00		Less: Sahyog Given	-5184049	
Samta Chatravar Nidhi	3237456.00				
Samta Chatravar Nidhi Fund	2866758.00				
Sanrakshak Member Fees	165000.00				
Sarwadharmi Sahayog Fund Opening bal: 16139730.84 Add: Donation: 1107102.00 Add: Donation Papad: 1291500.00 Less: Sahyog Given: 5184049.00	13354283.84				
Swarn Jayanti	959864.00				
Varisht Life Membership Fund	48000.00				
Total		**37539571.00**	**Total**		**37539571.00**

Date: 18.10.2020

ABSJ Sangh Mahila Samiti, Bikaner

Nanda Karnavat	Geeta Dak	Suman Surana
President	Secretary	Treasurer

Note:

1. Above figures have been drawn from audited books of accounts of ABSJS Bikaner (Patron Sangh).
2. All the assets have been merged with the accounts of Patron Sangh and hence forth Rs. 3,75,39,571.00/- would be appearing as investment in Patron Sangh and no separate books of accounts would be maintained of mahila sangh.
3. At Jodhpur Adhiveshan, 18.10.2020.

आपकी अमूल्य सेवाएँ

निःस्वार्थ जन सेवा ही आत्मान्वेषण का आरम्भ है स्वयं के ही सभी जीवन व्यतीत करते है, किन्तु दूसरे के प्रति समर्पित और करुणावान होना की मनुष्यता है। कहां जाता है कि निस्वार्थ भावना जहा हो वहां अपने आप ही सुख की रसधार बरसनी शुरू हो जाती है। स्वयं को भूल कर मानव जाति के समर्पण की भावना रखना ही श्रेष्ठ है। सम्पूर्ण समाज के उत्थान के लिए सहायता का प्रयत्न करने के लिए करुणा भाव व निर्मल हृदय होना अनिवार्य है। नारी को करुणा स्वरूप माना जाता है। नारी निष्काम, निर्मल, निस्वार्थ समता भाव से संसार के उत्थान के लिए स्वयं का समर्पण करती है। ऐसी ही श्रृंखला है श्री अ.भा.सा.जैन महिला समिति की पूरे भारत वर्ष में समाजोपयोगी कार्यों के माध्यम से भरपूर करुणा बरसा रहीं हैं। संरक्षिका उदारमना कुशल नेतृत्व की धनी शासन शिरोमणि आदरणीया श्रीमती शान्ता देवी मेहता, श्रीमती जेठीदेवी जी सिपानी, श्रीमती लक्ष्मीबाई धाडीवाल, श्रीमती उमराव बाई मुथा, श्रीमती प्रेमबाई जैन, श्रीमती यशोदा देवी बोहरा और श्रीमती आनंदकंवर जी पितलिया आपने महिला समिति को संघ के शिखर पर पहुँचाया है। आपकी प्रेरणा और प्रोत्साहन से यह नन्हा–सा पौधा आज पूर्ण रूप से विकसित पल्लवित पुष्पित व फलित महावृक्ष बन चुका है। भविष्य में भी इसी तरह आपके आशीर्वाद की अमिय वर्षा हम पर बरसती रहे।

श्रीमती निर्मला देवी चौरड़िया
जयपुर

श्रीमती रत्ना जी ओस्तवाल
राजनांदगांव

श्रीमती शोभा जी बैद
मुंबई

श्रीमती चन्द्रकांता जी बोथरा
अहमदाबाद

श्रीमती सुशीला जी सांखला
मुंबई

श्रीमती कुमुद जी सिपानी
बेंगलोर

श्रीमती प्रभा जी देशलहरा
दुर्ग

श्रीमती नंदा जी कर्नावट
बेंगलोर

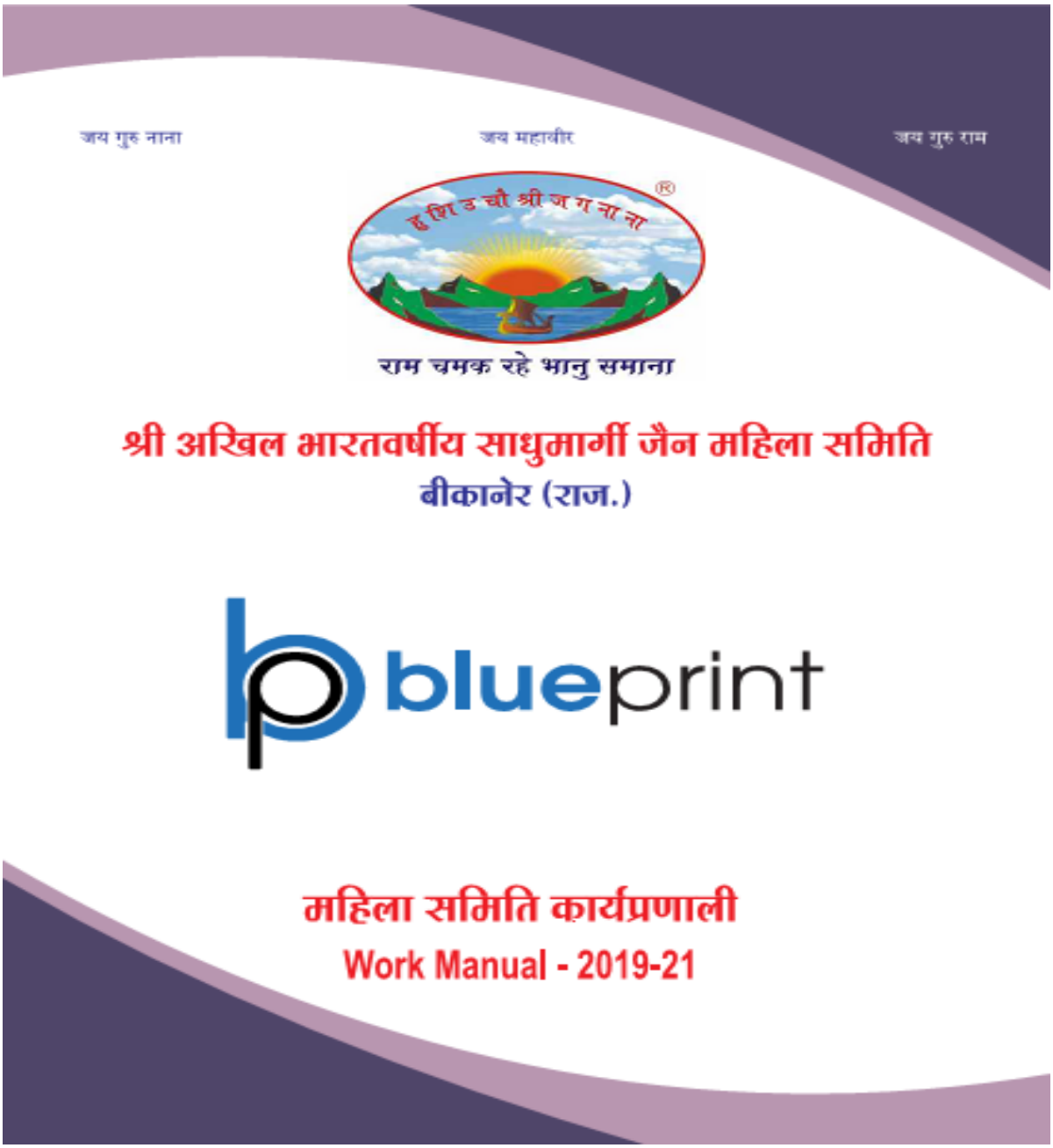

जय गुरु नाना   जय महावीर   जय गुरु राम

ह शि उ चौ श्री ज ग ना रा

राम चमक रहे भानु समाना

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति
बीकानेर (राज.)

blueprint

महिला समिति कार्यप्रणाली
Work Manual - 2019-21

ब्लू प्रिंट के माध्यम से संघ के प्रथम व्यक्ति से अंतिम व्यक्ति तक को जोड़ने का एक रोड मेप, जिससे पदाधिकारियों को एक लिंक से जोड़ते हुए, राष्ट्रीय संयोजिका से लेकर अंचल संयोजिका एवं उनके माध्यम से क्षेत्र संयोजिका तक को कार्य पहुंचाने का मार्ग प्रेषित किया है, जिससे हर कार्य आसानी से संघ के हर सदस्य तक पहुँचाया जा सके।

इस एक वर्ष में महिला समिति **तीन नयी प्रवृत्तियों** के साथ आगे आई है।

1. महिला प्रोफेशनल फोरम   2. युवती शक्ति   3.संगठन

महिला समिति की विभिन्न प्रवृत्तियाँ–

महिला संगठन–

श्रीमती सुरेखा जी सांड (बेंगलोर) :–शासननिष्ठ, कर्मठ कार्यकर्त्ता सुश्राविका श्रीमती सुरेखा जी सांड आप संगठन की संयोजिका है।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत संगठन प्रवृत्ति को जोड़ा गया है जिसका उद्देश्य देश–विदेश के समस्त साधुमार्गी महिलाओं को संघ सदस्यता से जोड़ना है। संघ हमारा प्राण है संगठन उसकी शक्ति है।
आए महिला शक्ति के एकत्रीकरण के लिए हम सब जुड़ते हैं और संघ के विकास में अपना अभिनव योगदान देने को तत्पर होते है। एक नए रूप में एक नए अंदाज में आइए, सदस्यता ग्रहण करें। साधुमार्गी स्थानीय महिला मंडल एवं श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति बीकानेर के संगठन में सहयोग का पहला हाथ मेरा हो।

"लेकर हाथों में हाथ चले साथ–साथ,
संगठन हमारा नारा हो,
इस अनन्य महोत्सव में गुरुवर के चरणों में,
यह अनन्य उपहार हमारा हो"

1 अक्टूबर 2019 से 4 अगस्त 2020 तक बने आजीवन सदस्य–

मेवाड़ अंचल– 40

जयपुर–ब्यावर अंचल– 2

मध्यप्रदेश अंचल– 78

छत्तीसगढ़–उड़ीसा अंचल– 45

मुम्बई–गुजरात–यू.ए.ई अंचल– 6

महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल– 10

पूर्वोत्तर अंचल– 13

कुल– 194

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति संगठन के अंतर्गत (5 अगस्त से 5 अक्टूबर तक) 250 रुपये की छूट में बने आजीवन सदस्य	
अंचल	आजीवन सदस्य
मेवाड	301
बीकानेर–मारवाड़	59
जयपुर–ब्यावर	51
मध्यप्रदेश	310
छत्तीसगढ़–उड़ीसा	193
कर्नाटक–आंध्रप्रदेश	73
तमिलनाडु	134
मुम्बई–गुजरात–यु.ए.ई	236
महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश	16
बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान	157
पूर्वोत्तर	271
दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश	74
कुल	1875

युवती शक्ति

श्रीमती रश्मि जी जेलमी (औरंगाबाद) :– सरलमना, शांत स्वभावी श्रीमती रश्मी जी जेलमी युवती शक्ति की संयोजिका है।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत हमारे संघ की 14 वर्ष से ऊपर अविवाहित युवतियों के लिए युवती शक्ति नामक मंच स्थापित किया गया है। इस मंच का उद्देश्य है– हमारे संघ की प्रतिभाओं को निखारना, उनकी सोच को उनके विचारों को संघ में लाना, उनमें धार्मिक संस्कारों का सिंचन करना, उनको संघ से जोड़ना, जिससे संघ में एक अद्भुत शक्ति को हम जोड़ सकेंगे।

युवती शक्ति रजिस्ट्रेशन फॉर्म 19–21	
अंचल	रजिस्ट्रेशन
मेवाड	433
बीकानेर–मारवाड़	247
जयपुर–ब्यावर	168
मध्यप्रदेश	403
छत्तीसगढ़–उड़ीसा	475
कर्नाटक–आंध्रप्रदेश	140
तमिलनाडु	75
मुम्बई–गुजरात–यू.ए.ई	231
महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश	147
बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान	230
पूर्वोत्तर	135
दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश	61
कुल	2745

Activity 1st- Taglineदिनांक 1 अप्रैल 2020 को अगस्त 2020 को आयोजित हुआ। जिसमें 518 Participants ने भाग लिया।

युवती शक्ति 19–21				
युवती शक्ति	Activity-1			
	participants points	anchal level points	National Level Points	Winner Points
	A	A+B	A+C	A+B
अंचल	10 points	05 points	10 points	15 points
मेवाड	60	5	1	0
बीकानेर–मारवाड़	7	2	0	0
जयपुर–ब्यावर	24	2	0	1
मध्यप्रदेश	114	5	1	0
छत्तीसगढ़–उड़ीसा	106	4	1	0
कर्नाटक–आंध्रप्रदेश	26	2	0	1
तमिलनाडु	9	1	0	0
मुम्बई–गुजरात–यू.ए.ई	19	3	0	0
महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश	43	3	1	0
बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान	92	5	0	1
पूर्वोत्तर	18	3	0	0
दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तर प्रदेश	0	0	0	0
कुल	518	35	4	3

JAI GURU NANA JAI MAHAVEER JAI GURU RAM

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

Yuvati Shakti

TAGLINE CONTEST

CONGRATULATIONS

to our Top 3 Winners

PRERNA PALAWAT - JAIPUR-BEAWER

TAGLINE - [विचार अनेक, पहचान एक, मंज़िल नेक]

RASHIKA DAGA - BENGAL, BIHAR, BHUTAN NEPAL

TAGLINE -[Empower Today, Cherish Tommorrow]

AAKRITHI K CHOPDA - ANDHRA-KARNATAKA

TAGLINE - [Yuvatiyon ka Ek samoohan,
Ek awaaz, Ek Laksya]

RESULTS ARE HERE!!!

Yuvati Shakti

74053 18000

Activity 2nd- Speech weavers Competition दिनांक 15 जून 2020 को आयोजित हुआ। जिसमें 327 Participants ने भाग लिया।

युवती शक्ति 19–21					
Speech Weavers Competition	Activity-2				
	participants points	Early Bird Points	Anchal level points	National Level Points	Winner Points
	C	C+D	C+E	C+F	C+G
अंचल	10 points	10 points	05 points	10 points	15 points
मेवाड	25	13	5	1	0
बीकानेर–मारवाड़	16	12	4	1	0
जयपुर–ब्यावर	16	13	5	1	0
मध्यप्रदेश	77	56	7	0	1
छत्तीसगढ़–उड़ीसा	52	24	5	1	0
कर्नाटक–आंध्रप्रदेश	10	4	2	1	0
तमिलनाडु	21	5	6	1	0
मुम्बई–गुजरात–यू.ए.ई	20	15	5	1	0
महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश	31	23	5	0	1
बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान	40	17	6	0	1
पूर्वोत्तर	13	11	4	1	0
दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तर प्रदेश	6	1	1	1	0
कुल	327	194	55	9	3

मालवा अंचल Webinar –9 अगस्त 2020 मेरी असली पहचान आयोजित हुआ।

Activity 3rd- Poster Making Competition दिनांक 15 जून 2020 को Launch हुआ।

JAI GURU NANA JAI MAHAVEER JAI GURU RAM

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

Yuvati Shakti

आश्रव द्वार बांधे कर्मो का पिटारा,संवर करो तो हो जाये किनारा,
आपकी प्रतिभा निखारने को
युवती शक्ति
ला रही हैं, सुनहरा अवसर प्यारा
"POSTER COMPETITION".

Theme:

Aashrav Vs Sanwar

1)Submission links in Google form
2)Points will be awarded for participation & points plus prizes for the most creative entries
3)Last date of submission : 20th October 2020
4)For enquires - 7405318000

प्रोफेशनल फोरम

श्रीमती सुमन जी सुराणा (सूरत) – शासननिष्ठ, कर्मठ कार्यकर्त्ता सुश्राविका श्रीमती सुमन जी सुराणा प्रोफेशनल फोरम प्रवृत्ति की संयोजिका है।

प्रोफेशनल फोरम प्रवृत्ति का मूल उद्देश्य है– साधुमार्गी परिवार की महिला प्रोफेशनल्स का एक मंच तैयार करना। साधुमार्गी परिवार की महिलाएँ जो सी.ए., एम.बी.ए., डॉक्टर, इंजिनियर, वकील, आई.ए.एस. आदि है या डिग्री के स्तर पर शिक्षित है, भले वर्तमान में वे इन डिग्री का उपयोग नहीं कर पा रही हों, वे सभी इसी श्रेणी में मान्य होंगे।

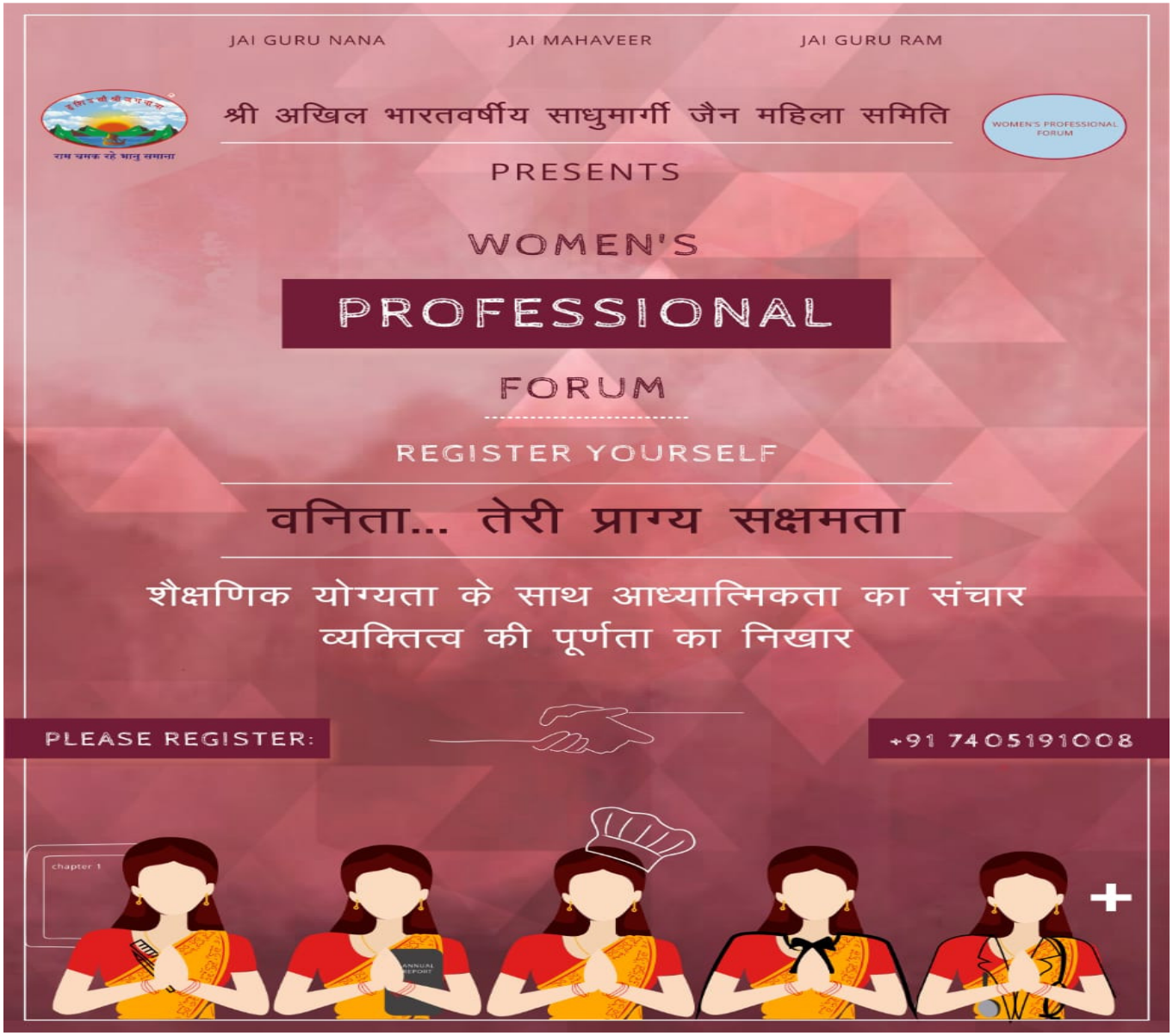

प्रोफेशनल फोरम रजिस्ट्रेशन फॉर्म 19–21	
अंचल	रजिस्ट्रेशन
मेवाड	362
बीकानेर–मारवाड़	76
जयपुर–ब्यावर	83
मध्यप्रदेश	261
छत्तीसगढ़–उड़ीसा	136
कर्नाटक–आंध्रप्रदेश	57
तमिलनाडु	15
मुम्बई–गुजरात–यू.ए.ई	173
महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश	83
बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान	51
पूर्वोत्तर	55
दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश	50
International	11
कुल	1413

A Search Inside Out/ अंतर की खोज	Activity-1			
	participants points	Anchal level points	National Level Points	Winner Points
	A	A+B	A+C	A+B
अंचल	10 points	05 points	10 points	15 points
मेवाड	90	5	1	0
बीकानेर–मारवाड़	19	5	0	1
जयपुर–ब्यावर	30	5	0	0
मध्यप्रदेश	105	5	1	1
छत्तीसगढ़–उड़ीसा	25	5	1	0
कर्नाटक–आंध्रप्रदेश	18	5	1	0
तमिलनाडु	3	3	0	0
मुम्बई–गुजरात–यू.ए.ई	49	5	1	0
महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश	22	5	1	0
बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान	23	5	1	0
पूर्वोत्तर	12	5	0	0
दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश	19	5	0	1
International	2	0	0	0
कुल	417	58	7	3

Activity 1st - अंतर की खोज 7 जून 2020 को Launch हुई।

कर्म की अदालत Webinar Zoom पर 12 अगस्त 2020 को आयोजित किया गया।

कर्म की अदालत Short Movie Youtubeपर 2 अक्टूबर 2020 को आयोजित हुई।

सर्वधर्मी सहयोग योजना

श्रीमती प्रभा जी देशलहरा (दुर्ग):– शासननिष्ठ, कर्मठ कार्यकर्त्ता सुश्राविका प्रभा जी देशलहरा सर्वधर्मी सहयोग प्रवृत्ति की संयोजिका हैं। प्राप्त आवेदन पत्रों में से आपके द्वारा जरूरतमंद साधुमार्गी परिवारों को महिला समिति की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। महिला समिति आपका बहुत–बहुत साधुवाद करती है।

हमारा संघ एक विशाल संयुक्त परिवार के समान है। जिस प्रकार किसी भी परिवार की सार–संभाल महिला करती है, उसी प्रकार हमारे संघ रूपी परिवार के कुछ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता देना, उन्हें सशक्त बनाना हमारा उत्तरदायित्व है। इसी सद्भावना से उत्प्रेरित होकर श्री अ.भा.सा. जैनमहिला समिति द्वारा 296 परिवारों को आर्थिक सहायता प्रति त्रैमासिक पहुंचाई जाती है। लोकडाउन के दौरान सर्वधर्मी परिवार को 1500 और वीर परिवार को 10000 अतिरिक्त सहायता राशि प्रदान की गई।

गृहउद्योग व स्वावलंबन योजना:–आर्थिक आत्मनिर्भरता संसार में सभी सुखों की कुंजी है। महिला समिति द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वावलंबी बनाने के लिए गृहउद्योग योजना चलाई जा रही है। रतलाम (म.प्र.) के श्री जैन महिला गृहउद्योग मंदिर में कम्प्यूटर प्रशिक्षण, मसाला विभाग तथा पापड़ उद्योग द्वारा कई परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इस गृहउद्योग को संचालित करने हेतु एक संचालन समिति का गठन किया गया। इस गृहउद्योग से अर्जित राशि को सामाजिक प्रवृत्तियों में समायोजित किया जाता है। गृहउद्योग व स्वावलंबन योजना केविस्तार के लिए वहाँ निर्मित पापड़ व मसालों का उपयोग करें।

समता छात्रवृत्ति:–शिक्षा जीवन के लिये वरदान है किन्तु आर्थिक परिस्थिति के कारणवश कई छात्र–छात्राएं इससे वंचित रह जाते है। उन्हें ज्ञान से वंचित न रहना पड़े। इसलिए महिला समिति ने समता छात्रवृत्ति योजना प्रारम्भ की।

श्रीमती नीलम रांका (मुंबई):– सरलमना, शांत स्वभावी श्रीमती नीलम जी रांका समता छात्रवृत्ति प्रवृत्ति की संयोजिका हैं। हमारे समाज में वे अभावग्रस्त छात्र–छात्राएं जो कि धन के अभाव में शिक्षा गृहण नहीं कर पाते हैं उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ की ओर से महिला समिति के तत्वावधान में 30 सितम्बर 2020 तक 37 विद्यार्थियों को 5,03,000 की सहायता राशि से लाभान्वित किया जा चुका हैं जिसमें कक्षा 1 से 4 के 5, 5 से 7 के 8, 8 से 10 तक के 9 और 11 से 12 के 15 विद्यार्थी शामिल हैं।

'पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि'–

श्रीमती चन्दनबाला सियाल (रतलाम):– सरल स्वभावी, मृदुभाषी श्रीमती चन्दनबाला जी सियाल परिवारांजलि की संयोजिका है। आपका मुख्य लक्ष्य है– गुरू भगवन् द्वारा दिए गए आयाम को पुरूषार्थ करना एवं लक्ष्य की प्राप्ति करना।

अनन्य महोत्सव 2020 तक 5000 साधुमार्गी परिवार आचार्य भगवन् द्वारा प्रदत्त अंजलियाँ ग्रहण करने हेतु संकल्पित हैं। इनमें 4939 साधुमार्गी परिवारों ने विभिन्न अंजलियाँ ग्रहण की।

संत भक्ति–विहार भक्ति परिवार : अनन्य महोत्सव 2020 तक 5000 साधुमार्गी परिवार संत भक्ति–विहार भक्ति परिवार बनने हेतु संकल्पित हैं। इनमें लगभग 1000 श्रावक/श्राविकाओं ने इस संकल्प को ग्रहण किया।

परिवारांजलि गांव–

मेवाड़ अंचल–निम्बाहेडा, प्रतापगढ़, केसुन्दा, सांवलिया, मोरवन, चिकारड़ा, लसड़ावन, कानवन, करजु, बड़ीसादड़ी, निकुम्भ, बोहेडा।

बीकानेर–मारवाड़ अंचल–पांचू, रावतसर, गोलूवाला(हनुमानगढ), सूरतगढ़, लूनकरनसर, उदयरामसर, उदासर।

मध्यप्रदेश अंचल–सिवनी।

बंगाल–बिहार– नेपाल–भूटान अंचल–दिनहट्टा, सोनाली,किशनगंज, अररिया कोर्ट, जदिया,मुरलीगंज, त्रिवेणीगंज, वर्धमान,गुलाबबाग, उत्तरपाड़ा,रामपुरहाट, जनकपुरधाम।

मुबंई–गुजरात अंचल–नवसारी, चिखली, अतुल, दिवेद, डुंगरी, अंकलेश्वर, अहमदाबाद, पानेठा, कीम चौकड़ी।

महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल–अमरावती, मेहस्वाद।

पूर्वोत्तर अंचल–लखीपुर, पहलापुर, फुलरताल, जैपोर, धुबड़ी।

1 अक्टूबर 2019 से 30 सितम्बर 2020 तक परिवारांजलि के 3000 फॉर्म भरे गये–

पंचहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि निष्पादन रिपोर्ट 30 सितम्बर 2020

निम्नलिखित अंजलि संख्या 1 से 8 तक अनन्य महोत्सव 2020 के उपलक्ष में गुरूदेव द्वारा प्रदत्त साधुमार्गी परिवार से आप सभी को प्रति अंजलि 5000 फॉर्म भरवाने का व अंजलि संख्या 9 का 10000 तथा संघ द्वारा प्रदत्त अंजलि संख्या 10 व 11 प्रति अंजलि 5000 फॉर्म भरवाने का लक्ष्य रखे।

क्रं. स.	अंचल वार परिवारांजलि	अंजलि ग्रहण करने वाले कुल श्रावक–श्राविका	रात्रि भोजन त्यागांजलि परिवार (1)	संचित जलग्रहण त्यागांजलि परिवार (2)	ज्ञानांजलि परिवार (3)	पौषधांजलि परिवार (4)	संवरांजलि परिवार (5)	'शुद्धभिक्षांजलि परिवार (6)	संकल्प सूत्रांजलि परिवार (7)	संघ सेवांजलि परिवार (8)	संस्कार सवर्धन अंजलि (9)	विहार भक्ति परिवार (10)	संत भक्ति परिवार (11)
1	मेवाड़ अंचल	2736	1072	880	1351	318	569	1897	1741	1378	1254	1003	913
2	बीकानेर–मारवाड़ अंचल	1080	379	465	519	104	291	883	806	562	472	515	523
3	जयपुर–ब्यावर अंचल	833	462	448	495	123	296	680	572	540	501	484	489
4	मध्यप्रदेश अंचल	2457	1080	1259	1632	323	705	1801	1644	1519	1264	1315	1397
5	छतीसगढ़–उड़ीसा अंचल	1782	898	1066	1235	249	494	1435	1169	1296	975	1026	1050
6	तमिलनाडु अंचल	333	128	199	191	30	65	246	233	200	122	150	172
7	कर्नाटक–आंध्रप्रदेश अंचल	411	142	191	227	39	80	256	214	196	198	203	231
8	मुम्बई–गुजरात अंचल	1430	288	469	563	68	273	974	1009	596	361	421	405
9	महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल	763	314	384	420	69	168	512	517	315	324	349	353
10	बंगाल–बिहार–नेपाल– भूटान अंचल	691	98	135	280	28	150	563	579	432	286	395	406
11	पूर्वोत्तर अंचल	314	74	74	122	12	58	262	238	229	132	229	241
12	दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तर प्रदेश अंचल	385	89	107	174	23	59	253	265	254	148	254	259
कुल		13215	5024	5677	7209	1386	3208	9762	8987	7517	6037	6344	6439

केसरिया कार्यशाला

केसरिया कार्यशाला

श्रीमती पुष्पा जी मेहता (चित्तौड़गढ़) :– सरल स्वभावी, मृदुभाषी श्रीमती पुष्पाजी मेहताकेसरिया कार्यशाला की संयोजिका हैं। आपका मुख्य लक्ष्य है– गुरु भगवन् द्वारा दिए गए आयाम को पुरुषार्थ करना एवं लक्ष्य की प्राप्ति करना।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति द्वारा सभी क्षेत्रों के लिए

अनन्य महोत्सव–2020

एक आलौकिक संघ! एक अनोखा गणवेश! एक अनूठा कार्य! हर मंडल में! हर जगह...

श्रीमद्भगवती सूत्र के 21–24 शतकों के 10 उद्देशों में वृक्ष का वर्णन चलता है। श्री अखिल भारतवर्षीय जैन महिला समिति का अखिल भारतीय स्तर पर जैसे वेशभूषा में एकरूपता है, वैसे ही कार्य में एकरूपता लाने के लिए मूल से बीज तक के दस भागों को लेकर दस प्रकार के कार्य श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति द्वारा दिये गये हैं। जो सभी महिला मंडल के अध्यक्ष–मंत्री द्वारा अपने–अपने मंडल में निर्धारित समय पर हर महीने निष्पादित किये जायेंगे।

6. छठे महीने का कार्य

दिनांक– 16 अक्टूबर 2019

प्रवाल– छठे महीने हमारे वृक्ष का छठा भाग
सशक्त मूल, सुदृढ़ है स्कन्ध, शाखाएं जब लहलहाएंगी...
त्वचा से होगी सुरक्षा तो क्यों ना सुसंस्कारित होंगे प्रवाल ...
नए सुकोमल पत्ते।
शीर्षक– आरुग्गबोहिलाभं (आचार्य श्री नानेश 20 वीं पुण्यतिथि और आचार्य श्री रामेश 20 वां पदारोहण दिवस)
वैराग ने दी दस्तक संयम के आगे झुक गया मस्तक।

दीक्षा लेना अनिवार्य नहीं है, संस्कारों की नींव सुदृढ़ करना अनिवार्य है। बालक–बालिकाओं को लाभं में भेजना।

7. पत्र– सातवें महीने हमारे वृक्ष का सातवां भाग

(21 नवम्बर 2019)

पत्र –पत्ते वृक्ष की ऊर्जा का स्रोत है, वैसे ही पर्युपासना आत्मा की ऊर्जा का स्रोत है गुरु एवं साधु–साध्वी की पर्युपासना से श्रावक–श्राविका रूपी पत्र हरे–भरे और सुदृढ रहते हैं अंगूठे अमृत बसे ... गुरु की कृपा किरण जिस पर पडती...

शीर्षक – पर्युपासना सम्यक्त्व की सुदृढ़ आराधना।

प्रतियोगिता–Just a Minute

8. पुष्प– आठवें महीने वृक्ष का आठवां भाग

(19 दिसम्बर, गुरुवार, समय– 1 घंटा, 2–3)

पुष्प–परिवार अंजलियाँ पुष्पों की भांति हैं जिस प्रकार पुष्प सुंगध बिखेरते हैं वैसे ही अंजलियों का धारण भी हमारे जीवन को सुगंधित करके आत्मा को आनंद की अनुभूति कराती है।

शीर्षक– परिवार अंजलियों का धारण गुरु के प्रति सच्चा समर्पण

प्रतियोगिता– आशुनाटिका

9. फल– नवें महीने हमारे वृक्ष का नौवाँ भाग

शीर्षक– स्वयं का विकास संघ और समाज में उल्लास

प्रतियोगिता– आओ लगाएं एक नई दौड़,
संस्कारों की एक नई हौड़।
जिन श्रावक–श्राविकाओं ने आचार्य भगवन् के विभिन्न आयामों से अपने आपको जोड़ा है, उन्होंने अपने जीवन में ज्ञान दर्शन चारित्र में अभिवृद्धि की है।

(20 जनवरी, समय 1:30 से 2:30)

समता–दिनचर्या में समभाव को Check करो

दर्शन को Intakeकरो (देव गुरु धर्म पर शुद्ध श्रद्धा)

व्यवहार में लाकर संस्कारों को Update करो।

10.बीज– दसवें महीने हमारे वृक्ष का दसवां भाग

शीर्षक– वाग्मिता

(20 फरवरी, समय 1:30 से 2:30)

बीज–एक अच्छा बीज स्वस्थ पेड़ का निर्माण करता है ऐसे ही एक अच्छा चिन्तन जीवन का निर्माण करता है।

Anchal	Vagmita	Covid	Kashaya samikshan
Mewar	35	1	-
Bkn-Marwar	6	5	2
Jaipur-Beawar	3	1	-
Madhyapradesh	9	3	19
Chattishgarh-Orissa	-	2	-
Tamilnadu	13	1	-
Karnataka-Andhra	9	1	-
Mumbai-Gujrat-U.A-E	18	6	5
Maharastra-Vidharbh-Khandesh	-	-	-
Bangal-Bihar-Nepal-Bhutan	4	10	9
Purvoter	13	-	-
Delhi-Punjab-Hariyana-Uttar Pradesh	1	1	4
Other	-	3	9
Total	111	34	48

केसरिया अनन्य कार्यशाला

श्राविकाओं–श्राविकाओं–श्राविकाओं.....

श्राविकाओं को आभूषणों का शौक होता ही है, पर प्रत्येक आभूषण पहनने का एक विशेष मौका होता है। कोई पार्टी, तो कोई शादी ब्याह, अब मौका आया है चातुर्मास का, तो आइये पहनें सम्यक्त्व के आभूषण और इस चातुर्मास को सजायें और मनायें अनन्य चातुर्मास।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति लेकर आ रही अनन्य केसरिया कार्यशाला।

सामायिक, प्रतिक्रमण, तप–त्याग आदि से भक्ति करते हुये आइए शुरू करें हमारी अपनी अनन्य कार्यशाला। हर महीने, हर क्षेत्र में सम्पूर्ण संघ के प्रत्येक क्षेत्र में .... किसी भी माध्यम से अवश्य निष्पादित करनी है केसरिया अनन्य कार्यशाला।

सम्यक्त्व सप्तती आदि ग्रंथोंके आधार से समकित के 67 बोल चलते हैं। उसमें से 7वां बोल है "**समकित के भूषण–5**" प्रत्येक माह एक–एक आभूषण से अपने सम्यक्त्व को और सजायेंगे...

1. अनन्य कौशल : जिनोक्त संवरादि क्रियाओं की विधि में कुशल होना।

आपको एक चार्ट दिया जाएगा। उसको चातुर्मासिक समयावधि में भरना है।

–और प्रतिक्रमण पर Quiz ...

Quizसम्पूर्ण संघ के हर अंचल के हर क्षेत्र में निष्पादित की जायेगी।

दिनांक 23 जुलाई 2020

जहाँ Lockdownनहीं है वहाँ मण्डल की कार्यशाला स्थानक में होगी और अन्य जगहों परZoom Meetingद्वारा conductकी जायेगी। प्रश्नोत्तर सभी क्षेत्र के अध्यक्ष तक पहुँच जायेंगे।

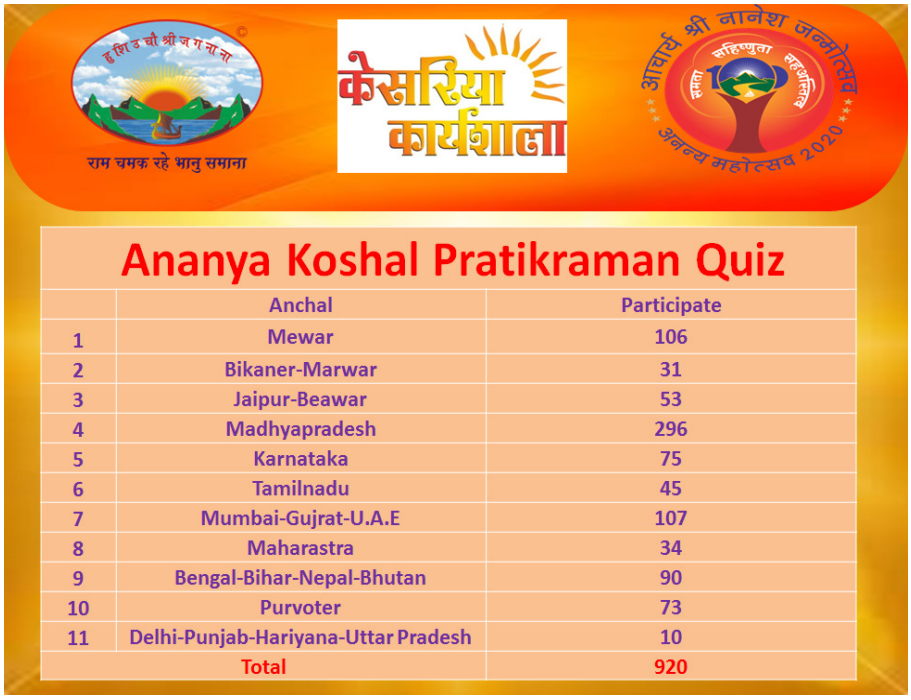

Ananya Koshal Pratikraman Quiz

	Anchal	Participate
1	Mewar	106
2	Bikaner-Marwar	31
3	Jaipur-Beawar	53
4	Madhyapradesh	296
5	Karnataka	75
6	Tamilnadu	45
7	Mumbai-Gujrat-U.A.E	107
8	Maharastra	34
9	Bengal-Bihar-Nepal-Bhutan	90
10	Purvoter	73
11	Delhi-Punjab-Hariyana-Uttar Pradesh	10
	Total	920

2. अनन्य प्रभावना– अनेक प्रकार से जिनशासन की ख्याति बढ़ाना।
आप अपने संघ से कुछ और श्राविकाओं को इस केसरिया अनन्य कार्यशाला से जोड़ें। आने वाली सभी श्राविकाओं को कम से कम 1 श्राविका को साथ लाना अनिवार्य रहेगा।
प्रभावना के 8 भेद फरमायें हैं भगवान् ने, उनमें से एक है धर्म कथा। जैन धर्म से जुड़ी प्रभावना को उल्लेखित करती कथाओं से हम इस कार्यशाला को सजायेंगे। कुछ Search यानी खोजबीन करके नयी कहानियां लायें और इस कार्यशाला में सभी इनसे प्रेरित हों, इस तरह से सुनायें।
जो नये मेम्बर आएँ उन्हें वे प्रभावित कर मंडल के अटूट बंधन में बांधने का प्रयास करें।

दिनांक 27 अगस्त 2020

3.अनन्य तीर्थ सेवा– उत्तम गुणों से युक्त साधु–साध्वी, श्रावक–श्राविका रूप तीर्थ की सेवा अर्थात् संसर्ग करना।
तीर्थ सेवा के अंतर्गत अतिथि संविभाग का महत्व दर्शायेंगे। सूझता–असूझता सचित्त–अचित्त पर आधारित लघु नाटिका द्वारा एक मनोरंजक बूझो तो जानें।

दिनांक 29 सितम्बर से 5 अक्टूबर 2020

4.अनन्य स्थिरता– स्वयं सम्यक्त्व में दृढ़ रहकर अन्यों को भी स्थिर करना।
सम्यक्त्व में दृढ़ता पर हम अपने अनुभव इस कार्यशाला में एक–दूसरे से Share करेंगे, Group Discussion के माध्यम से। बातचीत/वार्तालाप से कई भ्रम दूर होते हैं और धर्म मार्ग में आगे स्थिर चित्त होकर बढ़ते हैं।

दिनांक 23से 30 नवम्बर 2020

5. अनन्य भक्ति–साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविकाओं का यथोचित आदर सत्कार एवं भक्ति करना।
गुरु भक्ति आत्म विस्मरण का अचूक माध्यम है। इस कार्यशाला में भजनों के माध्यम से देव गुरु, धर्म की स्तव–स्तुति कर शुद्ध सम्यक्त्व "**नाण–दंसण–चरित्तबोहिलाभसंपन्ने**"... की दिशा में आगे बढ़ेंगे।
अंततः हमारा मंडल और हमारी समिति ऐसे ही बढ़े और संघ समर्पण में नये कीर्तिमान स्थापित करे।
केसरिया अनन्य कार्यशाला का यही ध्येय है कि कोई भी श्रद्धा भक्ति से अछूता ना रहे। महिला समिति को एक ही केसरिया डोर में पिरो कर दृढ़ सम्यक्त्व की मजबूत माला बनायें!!!

अपना मंच प्रबोधिनी

श्रीमती वीना नाहर (ब्यावर):– शांत, धीर–गंभीर, कर्मठ कार्यकर्त्ता और कुशल नेतृत्व की धनी शासननिष्ठ श्रीमती वीना जी नाहर प्रबोधिनी की राष्ट्रीयसंयोजिका हैं। आप महिला समिति की त्रैमासिक पत्रिका प्रबोधिनी की सम्पादिका हैं। आपके द्वारा प्रबोधिनी में महिला समिति की गतिविधियों एवं धार्मिक कार्यक्रमों प्रवृत्तियों का सम्पादन किया जाता है।

रोम–रोम में राम रमे।
रग–रग में ये नाम रचे।।
कण–कण में हैं राम बसे।
क्षण–क्षण में हैं याद करें।।
'वीना'राम गुरु गुण–गान करें।।

आचार्य श्री रामलालजी म.सा. के नाम स्मरण से ही कई कार्य सफलीभूत हो जाते हैं। कृपा वर्षण का ये अमिय हमें सतत प्राप्त होता रहे और हम एक–के–बाद एक शनैः शनैः सफलता के पायदान चढ़ते जायें।

नन्हे–से बीजांकुर से प्रारंभ हुई 'प्रबोधिनी' गुरु कृपा से अब अपने पाँव जमाने में सक्षम हो गई है और पौधे के रूप में पल्लवित, पुष्पित हो रही है। आपकी आत्मीयता से सराबोर है। लॉकडाउन में ऑनलाइन लेख व काव्य प्रतियोगिता रखी गई थी इसके माध्यम से जिसमें देश–विदेश से भी अच्छी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति का 'प्रबोधिनी' एक अनूठा हस्ताक्षर है, जिसे आप सबके सहयोग बिना सुंदर रूप प्राप्त नहीं किया जा सकता। ये एक ऐसा मंच है, जिसमें अलग–अलग क्षेत्रों की महिला–मंडल अपने कर्तृत्व की आभा बिखेरती दृष्टिगोचर होती है। और भी कई नवीनताओं का समावेश करने की हार्दिक अभिलाषा है। किसी एक विषय पर विशेषांक, राम उवाच, कविता, लेख, समाचार, प्रतियोगिता, स्थायी स्तम्भों से सजी प्रबोधिनी आपके कर–कमलों में प्रदान कर अतीव प्रसन्नता का अनुभव कर रही हैं।

प्रबोधिनी का वितरण– प्रबोधिनी श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष–मंत्री, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, शाखा प्रमुख, स्थानीय अध्यक्ष–मंत्री, महिला समिति की पूर्व–अध्यक्षाएँ, श्री अ.भा.सा जैन संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंत्री, कार्यसमिति सदस्य एवं युवा संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्यों को वितरित की जाती है।

इसी प्रयास में.....

प्रबोधिनी प्रबुद्धता, प्रतिबद्धता, प्रगल्भता का पर्याय बने।

वीना नाहर

आचार्य श्रीलाल उच्च शिक्षा योजना–

श्रीमती सुशीला सांखला (मुम्बई):– सरल स्वभावी, कुशल नेतृत्व के धनी शासननिष्ठ श्रीमती सुशीला जी सांखला आप आचार्य श्री श्रीलाल उच्च शिक्षा प्रवृत्ति की संयोजिका है। आपके द्वारा प्रारम्भ की गई इस अभिनव योजना में आप उच्च शिक्षा केलिए योग्य प्रार्थी को चुनकर उसे इस प्रवृत्ति का लाभ प्रदान करती है ताकि वे निर्बाध गति से अपने भविष्य का निर्माण कर सके।

Zoom Meeing

Upadhyaksh-Mantri

Date	Meeting
04-05-2020	Karnataka-Andhra Pradesh Anchal
05-05-2020	Tamil Nadu Anchal
06-05-2020	Mumbai - Gujarat Anchal
08-05-2020	Odisha - Chhattisgarh Anchal
11-05-2020	Malwa Anchal
12-05-2020	Bikanar - Marwar Anchal
13-05-2020	Bengal- Bihar- Nepal-Bhutan Anchal
14-05-2020	Delhi-Punjab- Hariyana- u.p Anchal
15-05-2020	Maharashtra-Vidharb-khandesh Anchal
16-05-2020	Mewar Anchal
31-05-2020	Jaipur - Beawar Anchal

Sthaniya Adyaksh-Mantri

Date	Meeting
04-06-2020	Mumbai - Gujarat Anchal
05-06-2020	Karnataka-Andhra Pradesh Anchal
06-06-2020	Tamil Nadu Anchal
08-06-2020	Malwa Anchal
09-06-2020	Malwa Anchal
10-06-2020	Bikanar - Marwad Anchal

11-06-2020	Mewar Anchal
12-06-2020	Purvotar Anchal
13-06-2020	Mewar Anchal
17-06-2000	Jaipur - Beawar Anchal
18-06-2020	Maharashtra-Vidharb-khandesh Anchal
19-06-2020	Bengal- Bihar-Nepal-Bhutan Anchal
20-06-2020	Delhi-Punjab-Hariyana- u.p Anchal

Date	Meeting	Topic
15-05-2020	Took Participation in Meet with ABSJS	Ananya Mohatsav (09:15 pm)
17-05-2020	Took Participation in Meet with All 3 Sangh	Varthaman Avm Purva (Adhyaksh, Mantri, Koshadhyaksh)
31-05-2020	Took Participation in Meet with ABSJS	Global Card
03-06-2020	Took Participation in Meet with Samta Prachar Sangh	Swadyayi Shivir Tranning
19-9-2020	Up-mantri	For Reporting System

उपाध्यक्ष–मंत्री रिपोर्ट

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा– मंजू जी रांका–भीलवाड़ा,
मंत्री–श्रीमती पुष्पा जी मेहता–चित्तौड़गढ़ (मेवाड़ अंचल)–
श्रीमती मंजू जी रांका और श्रीमती पुष्पा जी मेहतामिलनसार और स्पष्टवादी कर्मठ कार्यकर्ता हैं। आपके द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ दिसम्बर और मार्च महीने में मेवाड़ अंचल के विभिन्न क्षेत्रों की अनन्य प्रवास यात्रा की गई। प्रवास के दौरान परिवारांजलि, आजीवन सदस्य, उत्क्रांति आदि के फॉर्म भरवाये गए। सभी लोगों को संघ और महिला समिति की प्रवृत्तियों और गुरु भगवन् के आयामों से अवगत करवाया गया। 17 फरवरी को मेवाड़ अंचल की कार्यकारिणी की मीटिंग भीलवाड़ा के शांति विश्रांति गृह में रखी गई। 16 मई 2020 को मेवाड़ अंचल की कार्यकारिणी की मीटिंग राष्ट्रीय अध्यक्ष और महामंत्री जी के सान्निध्य में zoom के द्वारा रखी गई। 11 जून 2020 को मेवाड़ अंचल के सभी क्षेत्रों के महिला मण्डल के अध्यक्ष–मंत्री की मीटिंग रखी गई। 342 सदस्याओं ने महिला समिति की आजीवन सदस्यता ग्रहण की हैं। संगठन के अंतर्गत हेमलता जी डांगी द्वारा 342आजीवन सदस्य बनाये गये। मोरवन, चिकारड़ा, लसडावन, करजू, बड़ी सादड़ी, निकुंभ, बोहेड़ा और मंगलवाड परिवारांजलि ग्राम घोषित करवाये गये। युवती शक्ति में 362 युवतियों ने और प्रोफेशनल फोरम में 433 महिला प्रोफेशनल ने रजिस्ट्रेशन किया। मेवाड़ अंचल की प्रोफेशनल फोरम टीम के द्वारा ''वेदनीय कर्म'' पर You Tube पर एक फिल्म दिखाई गई जिसमें मीना जी मेहता का सहयोग रहा। केसरिया कार्यशाला मेवाड़ अंचल में उत्साह एवं उमंग के साथ हो रही है। अब कर कमाल के अंतिम चरण में पलक जैन, गंगापुर ने समीक्षण ध्यान में प्रथम स्थान प्राप्त किया और सम्यक् लसोड़ ने टॉप 6 में अपना नाम अर्जित किया! आपके और आपकी टीम के द्वारा मेवाड़ अंचल में कोरोना से पूर्व एवं कोरोना के बाद बहुत की सराहनीय कार्य किये गए हैं। आपके सहयोग के लिए महिला समिति आपका सहृदय आभार व्यक्त करती है।
अनन्य प्रवास–4 नवम्बर से 7 नवम्बर 2019को चिकारड़ा, मोरवन, निकुम्भ, आसावारा, भदेसर, लसडावन, बिनोता, छोटी सादडी, निम्बाहेडा, प्रतापगढ़, सांवलिया जी और 12 मार्च से 16 मार्च 2020सतखंडा, केसुन्दा, कानोड़, कुंथवास, भिंडर, बम्बोरा, नानेश ध्यान केंद्र–उदयपुर, भूपालपूरा जुहार भवन, समता भवन–गुडली, वर्धमान जैन स्थानक–रूंडेडा, सेक्टर 11 उदयपुर, पौधशाला–उदयपुर, सेक्टर 3,4,5,6–उदयपुर, बांसवाड़ा, सलूम्बर मेवाड़ अंचल के विभिन्न क्षेत्रों का प्रवास हुआ।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती नीतू जी मुणोत–बीकानेर,
मंत्री–श्रीमती ज्योति जी सेठिया–बीकानेर (बीकानेर–मारवाड़ अंचल)–श्रीमती नीतू जी मणोत और श्रीमती ज्योति जी सेठिया स्पष्टवादी कर्मठ कार्यकर्ता हैं। लॉकडाउन के बाद भी महिला समिति के अथक प्रयासों से बीकानेर–मारवाड़ अंचल में उत्कृष्ट कार्य हो पाए हैं। आचार्य श्री रामेश का चातुर्मास उनके शिष्यों के साथ जोधपुर में धर्म–ध्यान के साथ चल रहा है। चारित्र आत्माओं की तपस्याएँ निरंतर चल रही हैं। गंगाशहर–भीनासर महिला मण्डल द्वारा गंगाशहर के शिवा बस्ती में जमीन खरीदकर महिला भवन बनवाया जा रहा है, जो बहुत ही सराहनीय है। महिला समिति के 56 आजीवन सदस्य बनाये गए हैं। केसरिया कार्यशाला, युवती शक्ति और प्रोफेशनल फोरम में महिलाएँ और युवतियाँ आगे आ रही हैं। आचार्य भगवन् द्वारा प्रदत्त सभी आयाम बीकानेर–मारवाड़ अंचल में सुचारु रूप से चल रहे हैं। आपके सहयोग के लिए महिला समिति आपका सहृदय आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती शिमला जी नाहर–जयपुर, मंत्री–श्रीमती शशिकला जी डांगी–ब्यावर (जयपुर–ब्यावर अंचल)–श्रीमती शिमला जी नाहर और श्रीमती शशिकला जी डांगी मिलनसार और शांत स्वभावी सुश्रविका हैं। आपके द्वाराअंचल से संगठन सदस्य में लगभग 49 सदस्य बनाये गये।ब्यावर से संघ सदस्यता के लिए 5000/– की गुप्त राशि प्रदान की गई। प्रोफेशनल फोरम में अंचल से 84 बहनों को जोड़ा गया। प्रोफेशनल फोरम की प्रथम एक्टिविटी में अंतर की खोज में जयपुर से चंचल गुलेच्छा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। युवती शक्ति में 154 सदस्यों को जोड़ा गया। युवती शक्ति की प्रथम एक्टिविटी में जयपुर से राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्ररेणा पालावत ने प्राप्त किया और दूसरी एक्टिविटी में जयपुर से श्रेया जैन ने राष्ट्रीय स्तर पर अपना स्थान बनाया। केसरिया कार्यशाला की सभी प्रतियोगिता सुचारु रूप सेजयपुर,ब्यावर और अजमेर में चल रही है। अब कर कमाल में अंचल प्रतियोगिता का आयोजन ब्याबर में श्रीमती स्नेहा जी बम्ब के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। सर्वधर्मी सहायता कोष में ब्यावर से लगभग 93,500 की राशि एवं विहार सेवा में 21,400 की राशि का अनुदान दिया गया। आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष और महामंत्री जी सहयोग एवं दिशानिर्देश समय–समय पर मिलता रहा है। आपका सान्निध्य एवं सहयोग हमें इसी प्रकार मिलता रहे। साथ ही अंचल से सभी बहनों का सहयोग हमेशा मिलता है परन्तु स्नेहा जी बम्ब, शर्मिला जी खिंवसरा, प्रमिला जी बोहरा, सिम्पल जी श्रीश्रीमाल और श्रेया जी सिंघवी का सहयोग सराहनीय रहा है।कोरोना महामारी के कारण जितना प्रयास किया जा सकता है, उतना प्रयास सभी बहनो ने मिलकर किया और आगे भी करते रहेंगे। हमारी यही कामना है कि महिला समिति इसी तरह उत्तरोत्तर वृद्धि करें। आपकी कामनाओं एवं सहयोग के लिए महिला समिति आपकी भूरि–भूरि प्रशंसा करती है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती स्वाती जी धम्मानी–रतलाम, मंत्री–श्रीमती ज्योति जी मोगरा, नीमच (मध्यप्रदेशअंचल)– श्रीमती स्वाति जी धम्माणी और श्रीमती ज्योति जी मोगरा मिलनसार और शांत स्वभावी सुश्रविका हैं। आपके द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ मध्यप्रदेश अंचल के विभिन्न क्षेत्रों जैसे इंदौर, खण्डवा, भंदाला, बैतूल, बीड, कटनी, चारूवा, सिवनी, पाडलिया आदि क्षेत्रों में अनन्य प्रवास किया गया। सभी क्षेत्रों में गुरुदेव के सभी आयामों एवं महिला समिति की प्रवृत्तियों की विस्तृत जानकारी दी गई। बीड एवं सिवनी में महिला मण्डल का नवीन गठन किया गया और कटनी में नवीन पाठशाला शुरू की गई। मध्यप्रदेश अंचल से नानेशवाणी ओपन बुक में लगभग 2000 गुरु भक्तों ने भाग लिया है। केसरिया कार्यशाला में सभी क्षेत्रों की महिलाएँ उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं। संगठन के अंतर्गत 310 आजीवन सदस्य बनाये गए हैं। युवती शक्ति में मालवा अंचल से 403 युवतियों ने रजिस्ट्रेशन किया और सभी Activities में मालवा अंचल की युवतियों की सहभागिता सराहनीय रही। प्रथम एक्टिविटी में मालवा अंचल की आँचल कांठेड ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रोफेशनल फोरम में मालवा अंचल से 261 महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन किया। प्रोफेशनल फोरम की एक्टिविटी में अमिता जी तलेरा और निकिता जी चौरड़िया राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे। मालवा अंचल की टीम के द्वारा ''मोहनीय कर्म'' पर एक वेबिनार प्रस्तुत किया गया। मालवा अंचल में विराजित संत–सतिवर्याओं की प्रेरणा से ज्ञान–ध्यान, तप–प्रत्याख्यान, स्वाध्याय, ज्ञानार्जन आदि का ठाठ लगा हुआ है। इसी के साथ महिला मण्डल रतलाम द्वारा कोरोना संकटकाल में निराश्रितों की भोजन व्यवस्था के लिए 51,000 की राशि भेंट की गई और महिला मण्डल, इंदौर ने डॉक्टर को किट और oxymeter भेंट किये। कोरोना के समय में सभी स्थानीय महिला मण्डल से संपर्क रखने एवं केंद्र के द्वारा आयोजित गतिविधियों की जानकारी देने के लिए समय–समय पर zoom मीटिंग आयोजित की जा रही है। आपके सहयोग के लिए महिला समिति आपका सहृदय आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती लता जी श्रीश्रीमाल–बालोद, मंत्री–श्रीमती प्रभा जी सांखला–छुईखदान (छत्तीसगढ़–उड़ीसा अंचल)– श्रीमती लता जी श्रीश्रीमाल और श्रीमती प्रभा जी सांखला, मिलनसार और शांत स्वभावी सुश्रविका हैं। संगठन के अंतर्गतछत्तीसगढ़–उड़ीसा अंचल से 186 महिलाओं ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की हैं। युवती शक्ति में 475 युवतियों ने और प्रोफेशनल फोरम में 136 महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन किया है। केसरिया कार्यशाला सभी क्षेत्रों में सुचारु रूप से चल रही हैं। कुसुमखासा, कटंगी, भाटापारा, जामगांव, छुरिया, भिलाई, चारमा, बिरगुडी,अहिवारा, तोंगपाल, सरोना, बस्तर, महासमुंद, महेन्द्रगढ़, सोनारपाल, सरगी, देवरी, संकरा और अचोलीमें नवीन महिला मण्डल के गठन किये गए। छत्तीसगढ़–उड़ीसा क्षेत्र में धर्म–ध्यान, तप–त्याग की लड़ी लगी हुई हैं। आपके सहयोग के लिए महिला समिति आपका सहृदय आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती सुधा जी बोथरा–चैन्नई, मंत्री–श्रीमती निरंजना जी चोरड़िया–चैन्नई (तमिलनाडु अंचल)– श्रीमती सुधा जी बोथरा और श्रीमती निरंजना जी चौरड़िया, मिलनसार और शांत स्वभावी सुश्रविका हैं। समता भवन, कोंडिथोप, चैन्नई में 5.1.2020 को विशाल रक्त दान शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 5 क्षेत्रों में 275 लोगों ने रक्त दान दिया। दिनांक 5 जनवरी 2020 को एक दिन शिविर का आयोजन किया जिसमें 60 महिलाएं एवं 50 बच्चों ने भाग लेकर आगम भक्ति और जैन संस्कार पाठ्यक्रम का ज्ञानार्जन किया। कोंडिथोप, तोंदियारपेट, कोयम्बटूर, सिरकाजी और थिरुकोइलुर में पाठशाला सुचारू रूप से चल रही है। महिला मण्डल चैन्नई ने मुख्यमंत्री राहतकोष में 2,11,000 रुपये की राशि प्रदान की।
साधुमार्गी महिला समिति द्वारा आयोजित सभी गतिविधियां तमिलनाडु अंचल में उल्लासपूर्वक गतिमान है। केसरिया कार्यशाला की कार्यशाला सभी क्षेत्रों में सुचारू रूप से चल रही हैं। संगठन में तमिलनाडु क्षेत्र से 134 नई सदस्याओं को जोड़ा गया हैं और 31 सदस्याओं को स्पॉन्सर किया है। प्रोफेशनल फॉर्म में 15 महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन किया हैं। प्रोफेशनल फोरम की एक्टिविटी अंतर की खोज में तमिलनाडु अंचल से आरती जी रांका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। युवती शक्ति में 67 लड़कियों ने रजिस्ट्रेशन किया हैं । युवती शक्ति की द्वितीय एक्टिविटी में कोमल कूकड़ा ने राष्ट्रीय स्तर पर स्थान प्राप्त किया। अब कर कमाल में मनन चौधरी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। परिवारांजलि के लॉकडाउन में 30 फॉर्म भर चुके है।कोरोना महामारी के चलते साधु–साध्वियों जी का सान्निध्य न प्राप्त होते हुए भी गुरु भगवंत की प्रेरणा से तमिलनाडु अंचल में तपस्या गतिमान है। अनन्य महोत्सव और पर्वाधिराज पर्युषण तप–त्याग और ज्ञान–ध्यान के साथ मनाया गया। चैन्नई में हर रविवार को समता शाखा होती है जिसमें करीब 80 परिवार में 400 सदस्य भाग ले रहे हैं।आपके सहयोग के लिए महिला समिति आपका सहृदय आभार व्यक्त करती हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती आशा जी कोठारी–बेंगलुरु, मंत्री–श्रीमती राखी जी गांधी– हैदराबाद (कर्नाटक–आंध्रप्रदेश अंचल)– श्रीमती आशा जी कोठारी और श्रीमती राखी जी गांधी सरलमना धर्मनिष्ठ सुश्रविका हैं। आपके द्वारा श्रीसंघ, महिला समिति और समता युवा संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ 2 जनवरी से 5 जनवरी तक कडुर, चिकमंगलूर, हासन, होलेनरसीपुर, हंसुर, मैसूर, मंड्या और बेंगलुरु की अनन्य प्रवास यात्रा की गई। महावीर जयंती के उपलक्ष में पी.एम. केयर फण्ड में महिला मण्डल बैंगलोर द्वारा 75,000 रुपये की सहयोग राशि और 20,000 रुपये की राशि लिमस में दी गई। संगठन के अंतर्गत 73 महिलाओं को आजीवन सदस्य बनाया गया हैं और 300 सदस्याओं को संगठन के अंतर्गत स्पोंसर भी किया गया हैं।

युवती शक्ति में 140 युवतियों ने रजिस्ट्रेशन किया हैं। प्रोफेशनल फोरम के अंतर्गत 57 महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन किया हैं। इसकी एक्टिविटी में रेखा जी कटारिया ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया और मोनिका जी रांका ने कर्नाटक अंचल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंचल के सभी क्षेत्रों में केसरिया कार्यशाला में महिलायें उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं। बेंगलुरु, हैदराबाद और सिकंदराबाद में तप–त्याग, धर्माराधना और सभी धार्मिक गतिविधियाँ सुचारू रूप से गतिमान हैं। बैंगलोर संघ से 12 नए अध्यापक की उपलब्धि प्राप्त हुई हैं। कर्नाटक–आन्ध्रप्रदेश अंचल में सभी सदस्याओं और कार्यकर्ताओं का लॉकडाउन में सहयोग सराहनीय रहा हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती चंदा जी खुर्दिया–मुम्बई, मंत्री–श्रीमती सुनीता जी पारख–अहमदाबाद (मुम्बई–गुजरात–अंचल):– श्रीमती चंदा जी खुरदिया और श्रीमती सुनीता जी पारख सरलमना धर्मनिष्ठ सुश्रविका हैं। आपके द्वारा अनन्य प्रवास टीम के साथ पूना, मुंबई, सूरत, वापी, वलसाड,अंकलेश्वर, नवसारी, बारडोली, बड़ौदा और अहमदाबाद का प्रवास किया गया। प्रवास में उत्क्रांति, परिवारांजलि, नानेशवाणी, कर्म सिद्धांत, 50 थोकड़े आदि आयामों की भव्य प्रभावना की गई। मुंबई–गुजरात अंचल में सभी कार्य एवं गतिविधियाँ सुचारू रूप से चल रही हैं। संगठन के अंतर्गत मुंबई–गुजरात अंचल से 236 महिलाओं को आजीवन सदस्य बनाया गया और सभी सदस्याओं को अंचल की तरफ से स्पोंसर किया गया। परिवारांजलि के 750 फॉर्म भरे गए और अहमदाबाद, वापी, चिखली, अतुल, दिवेद, फालवाड़ा, डुंगरी, पेरू, किम, पानेठा और अंकलेश्वर को परिवारांजलि ग्राम और शहर घोषित किये गये। मुंबई–गुजरात अंचल के अहमदाबाद, मुंबई, सूरत, पूना और बड़ौदा में केसरिया कार्यशाला के कार्य प्रत्येक माह निष्पादित किये जा रहे हैं। प्रोफेशनल फोरम में 171 महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन किया हैं और अंतर की खोज एक्टिविटी में रजनी जी बूंलिया राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रही। युवती शक्ति में मुंबई–गुजरात अंचल से 204 युवतियों ने रजिस्ट्रेशन किया हैं। अनन्य महोत्सव को मुंबई–गुजरात क्षेत्र में कोविड के नियमों की पालना करते हुए उल्लास एवं आनंद से मनाया गया। भव्य स्तर पर तप–त्याग एवं सेवा कार्य किये गए। सूरत महिला मंडल द्वारा एक प्लॉट लिया गया। संपूर्ण मुंबई–गुजरात अंचल की ओर से वर्ष भर में लगभग 6,50,000 की राशि के सेवाकार्य किये गये। आपके इन अथक प्रयासों के लिए महिला समिति आपका आभार व्यक्त करती हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती सुनंदा जी चतुरमुथा–दौंडाईचा, श्रीमती रंजू जी सुराणा–नागपुर (महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल):– श्रीमती सुनंदा जी चतुर्मुथा और श्रीमती रंजू जी सुराणा मिलनसार और स्पष्टवादी कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं। आपके द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ 9 नवम्बर से 11 नवम्बर 2020 तक नासिक, राहुरी फेक्ट्री,विहामंडवा, गेवराई, कारंजा लाड, जानेफल, अमरावती, धामणगाँव और नागपुर की अनन्य प्रवास यात्रा सभी आयामों और प्रवृत्तियों को लेकर की गई। महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल में 16 महिलाओं ने महिला समिति की आजीवन सदस्यता ग्रहण की हैं। युवती शक्ति में 147 युवतियों ने और प्रोफेशनल फोरम में 83 महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन किया है। युवती शक्ति की द्वितीय प्रतियोगिता Speech Weaver में लिजा कोठारी ने राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल के महिला मण्डलों में केसरिया कार्यशाला की गतिविधियाँ उत्साहपूर्वक गतिमान हैं। आपके सहयोग के लिए महिला समिति आपका सहृदय आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती मीना जी पटवा–हावडा, मंत्री–श्रीमती मंजू जी डागा–कोलकाता (बंगाल–बिहार–नेपाल–भूटान अंचल):–श्रीमती मीना जी पटवा और श्रीमती मंजू जी डागा, आप मिलनसार और शांत स्वभावी सुश्राविका हैं। पूज्य गुरुदेव की असीम कृपा से आपके अंचल में अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी महिला समिति की सभी प्रवृतियां सुचारू रूप से चल रही हैं। युवती शक्ति में करीब 225 लड़कियों ने फार्म भरे हैं।युवती शक्ति की Tagline activityमें 92 लड़कियों ने भाग लियाजिसमें राशिका डागा ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल किया।युवती शक्ति की 2nd activity speech weaversमें हावड़ा की सोनिका गेलड़ा ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।प्रोफेशनल फोरम की 1st activity''अंतर की खोज'' में प्रीति सिपानी ने राष्ट्रीय स्तर पर top किया।संगठन में 157 बहनों को आजीवन सदस्य बनाया गया है।केसरिया कार्यशाला की सभी गतिविधियाँ सभी महिला मण्डल में उत्साहपूर्वक गतिमान है। परिवारांजलि के फार्म भी भरवाए गए हैं। अंचल के 12 ग्राम को परिवारांजलि ग्राम घोषित किये गए हैं। लॉकडाउन के दौरान अंचल के सभी क्षेत्रों में 13 घंटे का नवकार मंत्र का जाप व आयंबिल की लड़ी चलाई गई। सावन– भादो में भी उपवास–एकासन की लड़ी चलाई गई। पर्युषण पर्व पर सभी क्षेत्रों में धर्म–ध्यान व तप त्याग का ठाठ लगा रहा।नानेशवाणी क्विज प्रतियोगिता, नानेशवाणी ओपन बुक परीक्षा, 50 थोकड़ा ,श्रुत आराधक, कर्म ग्रंथ, जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा आदि में सभी बहनें उत्साह पूर्वक भाग ले रही हैं। बरहमपुर की विनीता जी मुकीम ने 50 थोकड़ों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। नानेश जन्मशताब्दी महोत्सव को पूरे अंचल में ज्ञान–ध्यान–तप त्याग से मनाया गया।लॉकडाउन मे कंचन बाई कांकरिया, श्वेता बच्छावत, आशिमा जी जैन ने ऑनलाइन क्लास द्वारा थोकड़ों और प्रतिक्रमण का ज्ञान सिखाया जो अभी भी चालू है। कंचन बाई द्वारा भगवती सूत्र की क्लास चलाई जा रही है। सारिका जी बच्छावत द्वारा नव तत्व की क्लास चालू है। समता पाठशाला भी प्रत्येक रविवार को जूम एप पर सरिता जी डागा द्वारा चलाई जाती है। आपके सहयोग के लिए महिला समिति आपका सहृदय आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा–श्रीमती सरला जी बोथरा–गुवाहाटी, मंत्री–श्रीमती कनक जी डागा–सिलापथार (पूर्वोत्तर अंचल):– श्रीमती सरला जी बोथरा औरश्रीमती कनक जी डागा, सरल स्वभावी सुश्रविका हैं। आपके द्वारा जैन संघ, समता युवा संघ और महिला समिति के पदाधिकारियों के साथ जनवरी 2020 में पूर्वोत्तर अंचल के मोरानहाट, शिवसागर और सोनारी में सभी आयामों को लेकर प्रवास किया गया। युवती शक्ति में करीब 135 युवतियां जुड़ी हैं जिसमें एक्टिविटी स्पीच कॉम्पीटीशन में खुशबू मालू,सिलापथार ने राष्ट्रीय स्तर पर छठा स्थान प्राप्त किया। प्रोफेशनल फॉर्म में 55 महिलाएं जुड़ी हैं। केसरिया कार्यशाला के अंतर्गत सभी मण्डल की महिलाएँ उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं। नीतू जी लोढ़ा द्वारा बच्चों की ऑनलाइन क्लास चलाई गई जिसमें प्रतिक्रमण और सामायिक सूत्र सिखाया गया। अनन्य महोत्सव के भजन प्रतियोगिता में सुन्दरी जी पटवा एवं मुन्नी जी कोठारी अंचल विजेता रही। अनन्य कार सेवा में 93 फॉर्म भरे गए। टंगला और हावली में नई पाठशाला का गठन हुआ है। अब कर कमाल में 90 बच्चों ने भाग लिया। बिहपुरिया,धौलपुर और नारायणपुर का संयुक्त एवं धुबड़ी, कोकराझाड़, करीमगंज, टंगला और गोलकगंज में नए महिला मंडल का गठन किया गया। कैलासर, पानिसागर, उदारबन्द, जागिरोड़, काठिघोडा, क्लाइन, बदरपुर, होजाई, लामडिंग, शिवसागर, खरूपेटिया, ढेकियाजुली, मोहनपुर, मेहंदीपथार आदि क्षेत्रों पर जहां मंडल का गठन संभव नहीं, वहां एक ग्रुप बनाकर साधुमार्गी महिला सदस्य में जोड़ा गया है। महिला समिति के 274 आजीवन सदस्य बनाये गए है। पूर्वोत्तर अंचल से 100 सदस्याओं को स्पॉन्सर किया गया है।

गुवाहाटी के एक स्कूल में शुद्ध पेयजल प्रकल्प लगाया गया है। नानेशवाणी ओपन बुक, जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा में लोगों ने भाग लिया है। परिवारांजलि के 33 फॉर्म भरे गए। कोरोना महामारी में लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों को सहायता प्रदान की गई। आपके सहयोग के लिए महिला समिति आपका सहृदय आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षा– श्रीमती कंचन जी आंचलिया–दिल्ली, मंत्री–श्रीमती किरन जी जैन–होशियारपुर (दिल्ली–पंजाब–हरियाणा– उत्तरप्रदेश अंचल):–श्रीमती कंचन जी आंचलिया और श्रीमती किरण जी जैन, आप मिलनसार और शांत स्वभावी सुश्रविका हैं। आपके द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ मेरठ, मुजफ्फरनगर, कांधला, छपरोली, अमीनगर सराय, दिल्ली, बड़ोत, मुकेरिया, होशियारपुर, नवाशहर, पंचकुला, चंडीगढ़, लुधियाना और फगवाड़ा में प्रवास किया गया। संगठन के अंतर्गत दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश क्षेत्र से 67 महिलाओं ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की हैं। युवती शक्ति में 61 युवतियों ने और प्रोफेशनल फोरम में 50 महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन किया हैं। केसरिया कार्यशाला सभी क्षेत्रों में सुचारू रूप से चल रही हैं। आपके सहयोग के लिए महिला समिति आपका सहृदय आभार व्यक्त करती है।

अनन्य प्रवास यात्रा

केन्द्रीय महिला समिति व शाखा समितियों के बीच सेतु का काम करता है प्रवास। इसी को मद्दे नजर रखते हुए राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा प्रथम वर्ष में विभिन्न स्थलों पर प्रवास किया गया।

4 नवम्बर से 7 नवम्बर 2019– मेवाड़ अंचल– चिकारड़ा, मोरवन, निकुम्भ, आसावारा, भदेसर, लसड़ावन, बिनैता, छोटी सादडी, निम्बाहेडा, प्रतापगढ़, सांवलिया जी।

9 नवम्बर से 11 नवम्बर 2019–महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल–नासिक, राहुरी फेक्ट्री, विहामंडवा, गेवराई, कारंजा लाड, जानेफल, अमरावती, धामणगाँव, नागपुर।

17 नवम्बर से 21 नवम्बर 2019– मध्यप्रदेश अंचल–इंदौर, हरदा, चरुवा, कालधड़, खिरकिया, चनेरा, गुडी–पाडलिया, खालवा, खंडवा, बीड, मुंडी, पिपलिया बुजुर्ग, अंजड, दोंडवाडा, खेतिया, मनावर।

30 नवम्बर से 8 दिसम्बर 2019–मुम्बई–गुजरात–यू.ए.ई अंचल–पुणे, पनवेल, अँधेरी, घाटकोपर, बोरीवली, भायंदर, खेताचीवाड़ी, ठाणा, माटुंगा, अतुल, चिकली, नवसारी, वापी, बारडोली, बेस्थान, पूना पाटिया, अडाजन, इच्छापुर, नीलकंठ जैन स्थानक–सूरत, समता भवन रवि दर्शन सोसायटी–सूरत, अंकलेश्वर, किम, वडोदरा, विजय नगर समता भवन–अहमदाबाद, शाहिबाग–अहमदाबाद, महावीर भवन मणिनगर–अहमदाबाद।

2 जनवरी से 5 जनवरी 2020– कर्नाटक–आंध्रप्रदेश अंचल–कडुर, चिकमंगलूर, हासन, होलेनरसीपुर, हंसुर, मैसूर, मंड्या, बेंगलुरु।

14 जनवरी से 19 जनवरी 2020– पूर्वोत्तर अंचल–डिब्रूगढ, सिलापथार, शिवसागर, उदारबंद, पेलापुर, करीमगंज, पथारकांदी, लाला बाजार, सिलचर

15 फरवरी से 18 फरवरी 2020– दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरप्रदेश अंचल–जैन स्थानक–मेरठ, श्वेताम्बर जैन स्थानक–मुजफ्फरनगर, एस.एस.जैन स्थानक–कांधला, छपरोली, जैन स्थानक–अमीनगरसराय, जैन स्थानक–केशवपुरम–दिल्ली, जैन स्थानक–बड़ोत, एस.एस.जैन भवन–मुकेरिया, एस.एस.जैन भवन–होशियारपुर, जैन स्थानक–नवाशहर, पंचकुला, चंडीगढ़, लुधियाना, फगवाडा

19 फरवरी से 25 फरवरी 2020– बीकानेर–मारवाड़ अंचल– जैन स्थानक जैतो, जैन स्थानक संगरिया, रावतसर, गोलुवाला, श्री गंगानगर, सूरतगढ़, सरदारशहर, लूनकरणसर, रूपा भवन–रानी बाजार, उदासर समता भवन, समता नगर–बीकानेर, उदयरामसर, सेठिया कोटड़ी–बीकानेर, जवाहर विद्या पीठ–भीनासर, देशनोक, नोखा गाँव, जोरावरपुरा समता भवन, नोखा हुक्म नानेश भवन–नोखामंडी, झझू, पांचू, नागौर, कोलंसर, रोहिणा, खरिया पाँ।

12 मार्च से 16 मार्च 2020–मेवाड़ अंचल–सतखंडा, केसुन्दा, कानोड़, कुंथवास, भींडर, बम्बोरा, नानेश ध्यान केंद्र–उदयपुर, भूपालपूरा जुहार भवन, समता भवन–गुडली, वर्धमान जैन स्थानक–रूंडेडा, सेक्टर 11 उदयपुर, पौषधशाला–उदयपुर, सेक्टर 3,4,5,6–उदयपुर, बांसवाड़ा, सलूम्बर।

महिला मंडल गठन–

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति को संगठित एवं मजबूत बनाने के लिए देश में विभिन्न जगहों पर महिला मंडल का गठन किया गया।

बीकानेर–मारवाड़ अंचल– बालोतरा, महामंदिर, सोमेसर।

मध्यप्रदेश अंचल–खाचरौद, खिरकिया, गुड़ी, वारासिवनी, सिवनी बानापुरा, मनावर।

छत्तीसगढ़–उड़ीसा अंचल–कुसुमखासा, कटंगी, भाटापारा, जामगांव, छुरिया, भिलाई, चारमा, बिरगुडी, अहिवारा, तोंगपाल, सरोना, बस्तर, महासमुंद, महेन्द्रगढ़, सोनारपाल, सरगी, देवरी, संकरा, अचोली।

कर्नाटक–आंध्रप्रदेश अंचल–मंडया, हासन, कडूर।

महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल–नासिक, जानेफल, राउरी फैक्टरी।

पूर्वोत्तर अंचल–लखीपुर–फुलेतल–पेलापुर, नारायणपुर–धौलपुर और बिहपुरिया, धुबड़ी, गोलकगंज।

महिला समिति के बढ़ते कदमों के सहयोगी

महिला समिति के विकास का पहिया निरन्तर प्रगति के सोपान तय करता हुआ एक विशिष्ट इतिहास की ओर गतिशील है जिसके केन्द्र में हमारे सभी दानदाताओं का सुयश है। उन सभी के नामों का उल्लेख करना संभव नहीं है। लेकिन उनके विशिष्ट सहयोग से महिला समिति निरन्तर स्वावलम्बन आत्मनिर्भरता के क्षितिज की ओर अग्रसर है। अतः सभी दानदाताओं का मैं हृदय से आभार एवं साधुवाद ज्ञापित करती हूँ और आशा करती हूँ कि उन सभी दानदाताओं का सहयोग इसी प्रकार भविष्य में प्राप्त होता रहेगा।

आभार राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती नंदा जी कर्नावट व राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती गीता जी दक जिनका प्रवास एवं निरन्तर प्रयासों से महिला समिति में चेतना जागृत हुई और संघ के कोष में अभिवृद्धि हुई।

आभार राष्ट्रीय उपाध्यक्षाओं, राष्ट्रीय मंत्री, राष्ट्रीय प्रवृत्ति संयोजिकाएँ एवं स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष व मंत्री, कार्यकर्त्ताओं, महिला सदस्यायों, जिन्होंने निरन्तर जन–जागरण एवं प्रेरणा से प्रभूत मात्रा में राशि संग्रहित कर संघ कुबेर में वृद्धि की। आप सभी कार्यकर्ताएँ अभिनन्दनीय हैं।

महिला समिति कार्यालय स्टाफ टीम जयदेव सुथार और सुश्री राखी जी सेठिया एवं परोक्ष और अपरोक्ष रूप से सहयोगी रहे सभी आत्मीय जनों का हृदय से आभार ज्ञापित करती हूँ जिनके निरन्तर सहयोग से महिला समिति अपने लक्ष्यों को साधते हुए आगे बढ़ रही है।

आय–व्यय आंकड़ों की ओर दृष्टिपात करें तो इस वर्ष अनेक दान–दाताओं द्वारा विभिन्न प्रवृतियों मे स्वीकृतियाँ प्रदान हुई।

श्रेष्ठ तपस्वी

दीर्घ तपस्विनी श्रीमती लता जी लोढ़ा, मदुरान्तकम् जिन्होंने पूर्व में भी 111 की तपस्या की तथा अन्य अनेक तपस्याएँ की। अभी भी आपके 107 की तपस्या गतिमान है। आचार्य श्री रामेश का कृपा–वर्षण आप पर सतत् बना रहे। साधुमार्गी संघ की आप आन–बान–शान हैं।

प्रोत्साहन पुरस्कार

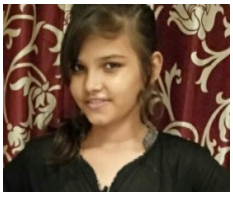

13 वर्ष की उम्र में 31 उपवास करने वाली **तपस्विनी वीर बाला कु. ज्योति बोथरा**, पथारकांदी (आसाम)। पूर्व में तेला व नौ की तपस्या इन्होंने की है।

समता महिला रत्न पुरस्कार

चंदा जी गुलगुलिया, पूणे

श्रेष्ठ शासन सेविका

प्रभा जी ललवानी, मुम्बई

श्रेष्ठ महिला मंडल

जोधपुर
निम्बाहेड़ा
मंदसौर

श्रेष्ठ स्वाध्यायी

साक्षी जी देवड़ा, रतलाम

कु. सिद्धि जी नाहर, धमतरी

श्रेष्ठ परीक्षार्थी जैन संस्कार पाठ्यक्रम

भाग–11 (आगम)

श्रीमती प्रतिभा जी लुणावत, जयपुर
(प्रथम)

श्रीमती मंजू जी मुकीम, बरहमपुर
(द्वितीय)

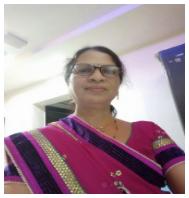

श्रीमती सरिता जी संकलेचा, अमरावती
(तृतीय)

भाग–11 (तत्व)

श्रीमती सुनीता जी तलेसरा, मणीनगर
(प्रथम)

श्रीमती प्रभावतीजी राखेचा, चौपड़ा
(द्वितीय)

श्रीमती अरुणा जी कोचर, चौपड़ा
(तृतीय)

भाग–12 (आगम)

श्रीमती वर्षा जी सेठिया, उज्जैन
(प्रथम)

श्रीमती ममता जी सांखला, खरियार रोड़
(द्वितीय)

श्रीमती कमला जी मरोठी, बरहमपुर
(तृतीय)

भाग–12 (तत्व)

श्रीमती सुमन जी सुराणा, सूरत
(प्रथम)

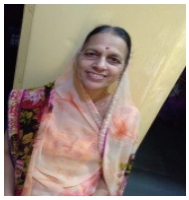

श्रीमती सुशीला जी पटवा, जावरा
(द्वितीय)

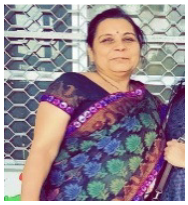

श्रीमती भारती जी पारख, छुईखदान
(तृतीय)

हार्दिक बधाई! हार्दिक बधाई! हार्दिक बधाई!